# समाज विकास

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

● फरवरी २०११ ● वर्ष ६१ ● अंक २


## २२वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन ( पटना, २९-३० जनवरी )

## अध्यक्ष हरिप्रसाद कानोड़िया द्वारा पद भार ग्रहण

22वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन करते बिहार के पथ निर्माण मंत्री श्री नन्दकिशोर यादव, उपस्थित हैं बिहार के खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री श्याम रजक, पशुपालन एवं मत्स्य मंत्री श्री गिरिराज सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा, नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष
हरिप्रसाद कानोड़िया

- **संगठन एवं समाज सुधार सम्बन्धी महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित**
- **राष्ट्रीय पदाधिकारी मनोनीत**
- **सीताराम महर्षि ( रतनगढ़ ) राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार से पुरस्कृत**
- **भागचन्द पोद्दार ( राँची ) को भंवरमल सिंघी समाजसेवा पुरस्कार**
- **अखिल भारतीय समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न**

श्री संतोष सराफ राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त

अन्य पदाधिकारी

*उपाध्यक्ष* : श्री रामअवतार पोद्दार ( प.बंगाल ) श्री बद्रीप्रसाद भीमसरिया ( बिहार )
श्री ओम प्रकाश खण्डेलवाल ( पूर्वोत्तर ) श्री रमेशचन्द गोपीकिशन बंग ( महाराष्ट्र )
श्री संतोष अग्रवाल ( छत्तीसगढ़ ) श्री रामकुमार गोयल ( आंध्र प्रदेश )

*कोषाध्यक्ष* : श्री आत्माराम सोंथलिया

*संयुक्त महामंत्री* : श्री संजय हरलालका व श्री कैलाशपति तोदी

संतोष सराफ
राष्ट्रीय महामंत्री

POSTAL REGISTRATION KOLRMS:131/2010-2012

RNI REGD. NO 53281/95

# Empowering Entrepreneurs to shape the future

Financing and leasing of equipment, new and old, across diverse sectors :

Construction | Infrastructure | Mining | Information Technology | Healthcare

Product Schemes : Loans | Lease | Insurance Broking

SREI BNP PARIBAS

SREI **Holistic Infrastructure Institution**

Infrastructure Equipment Leasing & Finance | Infrastructure Project Finance, Advisory and Development | Venture Capital | Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO – Equipment Bank

# समाज विकास

◆ फरवरी 2011 ◆वर्ष 61 ◆अंक-2 ◆एक प्रति-10 रु. ◆वार्षिक-100 रु.


## अनुक्रमणिका


| क्रमांक | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| ***सम्पादकीय :*** राजनैतिक चेतना एवं अधिकार - **सीताराम शर्मा** | ४ |
| नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री हरिप्रसाद कानोड़िया** का अभिभाषण | ५ |
| समाज में पैदा करनी होगी वैचारिक क्रांति - **संतोष सराफ** | ८ |
| ***पटना में सम्पन्न अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २२वें राष्ट्रीय अधिवेशन की रपट*** | |
| हरिप्रसाद कानोड़िया ने अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया | ९-१० |
| पटना अधिवेशन में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव | ११-१५ |
| प्रस्तावों पर हुई बहस का एक हिस्सा | १६-१७ |
| रमेश गर्ग फिर इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त | १७ |
| तस्वीरों में २२वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन | १८-२५ |
| ***अखिल भारतीय समिति की बैठक की संक्षिप्त रिपोर्ट*** | २७, २९ |
| होली की उपाधि | ३०-३१ |
| परिचय : समाज रत्न बसंतलाल मुरारका | ३३ |
| सम्मेलन के नये सदस्य | ३४ |



**स्वत्वाधिकारी**

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ◆ 152बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - 700007
फोन : 033-2268 0319 ◆ email-samajvikas@gmail.com
के लिए श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा
ऐभल प्रिंटर्स लि., 45बी, राजाराम मोहन राय सरणी, कोलकाता - 700009 से मुद्रित
◆ **प्रेरक संपादक : नंदकिशोर जालान,** ◆ **संपादक : सीताराम शर्मा**


प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।


## वैवाहिक आचार संहिता

- मिलनी सबकी ४ रुपया।
- अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्षों को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की वनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

**सम्मेलन धार्मिक व अन्य सामाजिक समारोहों में भी सादगी बरतने की अपील करता है**

**अखिल भारतीय समिति की 20 फरवरी 2011 को कोलकाता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय**

सम्पादकीय

# राजनैतिक चेतना एवं अधिकार

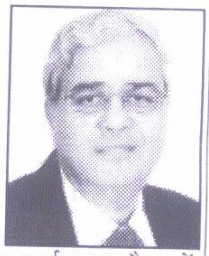

– सीताराम शर्मा

मेरे राष्ट्रीय अध्यक्षता के कार्यकाल (२००६-२००८) में मैंने दो नये कार्यक्रमों – राजनैतिक चेतना एवं उच्च शिक्षा – पर अधिकाधिक जोर दिया था। उच्च शिक्षा के कार्यक्रम को समाज का प्रबल समर्थन प्राप्त हुआ एवं यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सम्मेलन एक २ करोड़ के उच्च शिक्षा कोष की दिशा में सफलतापूर्वक अग्रसर है।

राजनैतिक चेतना कार्यक्रम ने समाज की अर्न्तचेतना को छूआ है। विभिन्न राज्यों में प्रांतीय स्तर पर मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्त्ता सम्मेलनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। समाज के लोगों से आवेदन किया गया कि वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करायें, मतदान में सक्रिय रूप से भाग लें एवं अपने राजनैतिक अधिकारों का प्रयोग करें। मैंने इस संदर्भ में नारा दिया था कि "**कोषाध्यक्ष नहीं, अध्यक्ष बनो।**" यानि धन के बल पर नहीं, जन-बल एवं जन-समर्थन के आधार पर राजनीति से जुड़ें एवं अपने अधिकारों को प्राप्त कर समाज का राजनीति के क्षेत्र में प्रतिनिधित्व करें।

**महाराष्ट्र एवं अन्य एक-दो प्रांतों को छोड़कर अन्य राज्यों में प्रवासी मारवाड़ी समाज अपनी जनसंख्या, आर्थिक एवं सामाजिक योगदान के अनुकूल राजनैतिक स्वीकृति एवं मान्यता प्राप्त नहीं कर पाया है। यह एक चिन्तनीय विषय है। मारवाड़ी समाज किसी भी संकीर्णता, प्रांतीयता, जातिवाद का हामी नहीं रहा है, लेकिन अपने राजनैतिक अधिकारों के प्रति सचेत है।**

यहाँ यह उल्लेख करना संभवत: आवश्यक है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना के पीछे एक महत्वपूर्ण कारण एवं उद्देश्य राजनैतिक अधिकार का भी था। सम्मेलन के स्थापना वर्ष १९३५ में ब्रिटिश सरकार के भारत विधेयक के अनुसार "**जो देशी राज्यों की प्रजा है उसे ब्रिटिश राज्य की प्रजा के नागरिक अधिकार नहीं दिये जायेंगे।**" **यह आशंका हुई कि मारवाड़ी समाज के व्यक्ति जो विभिन्न प्रदेशों में बसे हुए हैं उन्हें देशी राज्यों की प्रजा मानकर यदि नागरिक अधिकार प्राप्त नहीं हुए तो वे देश भर में विदेशियों की तरह समझे जायेंगे – न उन्हें वोट का अधिकार प्राप्त होगा, न कोई नागरिक अधिकार।**

अन्य समाज की तरह हमारे समाज के सर्वांगीण विकास- शैक्षणिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं सामाजिक – के लिये राष्ट्र की राजनीति एवं नीतियों का महत्वपूर्ण प्रभाव है। हमें राष्ट्र निर्माण के कार्य में अपनी सार्थक भूमिका निभानी है। साथ ही साथ हमें समाज के बड़े हितों की रक्षा के लिए अपने राजनैतिक अधिकारों को सुदृढ़ करना है।

महाराष्ट्र एवं अन्य एक-दो प्रांतों को छोड़कर अन्य राज्यों में प्रवासी मारवाड़ी समाज अपनी जनसंख्या, आर्थिक एवं सामाजिक योगदान के अनुकूल राजनैतिक स्वीकृति एवं मान्यता प्राप्त नहीं कर पाया है। यह एक चिन्तनीय विषय है। मारवाड़ी समाज किसी भी संकीर्णता, प्रांतीयता, जातिवाद का हामी नहीं रहा है, लेकिन अपने राजनैतिक अधिकारों के प्रति सचेत है।

**उदाहरण स्वरूप पश्चिम बंगाल की राजनैतिक स्थिति पर विचार तर्कसंगत होगा। कहा जाता है कि कोलकाता में जितने मारवाड़ी बसते हैं उतने संभवत: राजस्थान के किसी एक शहर में नहीं हैं। लेकिन यह एक विडंबना है कि उसकी जनसंख्या एवं आर्थिक योगदान की तुलना में समाज का राजनैतिक प्रतिनिधित्व प्राय: नगण्य है। स्वतंत्रता के पश्चात् सरकार में इक्का-दुक्का प्रतिनिधित्व अवश्य रहा जबकि पिछले ३० वर्षों से समाज की बात को सरकार में रखने के लिये कोई आवाज नहीं है। यह स्थिति कई अन्य राज्यों में भी है।** मारवाड़ी सम्मेलन कभी कोई आरक्षण की बात नहीं करता है। लेकिन प्रतिनिधित्व की निश्चित रूप से कामना करता है। इसके लिये अआवश्यक है कि समाज में राजनैतिक चेतना विकसित हो एवं हम अपने राजनैतिक अधिकारों को सुदृढ़ कर सही प्रतिनिधित्व प्राप्त करने की ओर प्रयास करें। मारवाड़ी समाज ने देश के प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किया है – हमें राजनैतिक भूमिका भी निभानी है क्योंकि यह न केवल हमारे समाज के लिये शुभ साबित होगी बल्कि राष्ट्र विकास एवं राष्ट्रीय एकता में भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगी।

# नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया का अभिभाषण

**मातृशक्ति, साथियों, भाईयों एवं युवा वर्ग,**

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २२वें राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन समारोह में मैं आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। सर्वप्रथम मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि नव वर्ष हमारे समाज, देश एवं विश्व में समृद्धि, विकास एवं शांति लेकर आये। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के भव्य स्वागत, सुन्दर व्यवस्था एवं मेजबानी के लिये हम सभी आभारी हैं। बिहार की भूमि पुण्य है। हमारे देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसादजी बिहार से थे। मुझे गर्व है, मेरा जन्म बिहार में हुआ। बिहार मेरी जन्मभूमि है।

हाल ही में सम्मेलन की कौस्तुभ जयंती समारोह के उद्घाटन के अवसर पर भारत की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवीसिंहजी पाटील ने अपने पति श्री देवीसिंहजी शेखावत के साथ कोलकाता पधार कर हम सभी को गौरवान्वित किया। इसके पूर्व सम्मेलन की स्वर्ण जयंती एवं हीरक जयंती के अवसरों पर तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंहजी एवं डॉ. शंकर दयालजी शर्मा ने हमें अपनी उपस्थिति से कृतार्थ किया था।

मैं इस अवसर पर सम्मेलन के संस्थापक सभापति स्व. राय बहादुर रामदेव चोखानी, सम्मेलन के प्रेरणा- स्त्रोत स्व. ईश्वरदास जालान एवं उन सभी मनीषियों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जो आज हमारे बीच में नहीं हैं।

सम्मेलन की 75 वर्ष की यात्रा की अग्रगति में सभी पूर्व सभापतियों एवं पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सम्मेलन के स्तम्भ पुरुष वयोवृद्ध श्री नन्दकिशोरजी जालान, पूर्व अध्यक्ष श्री सीतारामजी शर्मा एवं निवर्तमान अध्यक्ष श्री नन्दलालजी रुँगटा का वर्तमान में सम्मेलन में विशिष्ठ स्थान है। इनका सहयोग, समर्थन एवं पथ प्रदर्शन मेरा सबसे बड़ा सम्बल रहेगा।

**संगठन के बिना कुछ भी सम्भव नहीं है। हमें अपनी जड़ों को मजबूत करने हेतु नगर, जिला, प्रांतीय शाखाओं को और संगठित, शक्तिशाली एवं मजबूत करना है। देश व्यापी सदस्यता अभियान आरम्भ करना है। नई शाखाओं का विस्तार करना है। हमें सही मायने में राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के रुप में सम्मेलन को स्थापित करना होगा। प्रान्तीय शाखाओं एवं राष्ट्रीय सम्मेलन के बीच लगातार सम्पर्क एवं सामंजस्य स्थापित करना है। मुझे पूरा विश्वास है कि समाज का प्रत्येक सदस्य सम्मेलन का सदस्य बनेगा। सम्मेलन के लक्ष्य को अपना लक्ष्य समझेगा।**

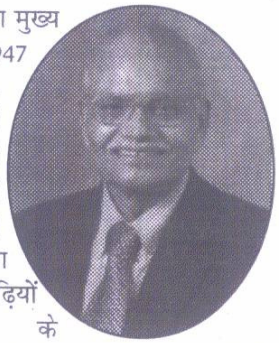

समाज सुधार सम्मेलन का मुख्य कार्यक्रम रहा है। अप्रैल 1947 में सम्मेलन सभापति स्व. बृजलाल बियाणी ने छठवें अधिवेशन, मुंबई में पहली बार **समाज सुधार एवं समरसता** का नारा दिया था। पर्दा प्रथा, बाल विवाह, विधवा विवाह, मृतक भोज आदि रूढ़ियों के विरुद्ध हमें सफलता मिली है, लेकिन दहेज-दिखावा, आडम्बर, फिजूलखर्ची, भ्रूण हत्या, व्यर्थ की स्पर्द्धा आदि कुरीतियों से हम अभी भी जूझ रहे हैं। सनातन धर्म हमें सादगी, सच्चाई, प्रेम, भाईचारा, सिखाता है। हम नये-नये आडम्बरों में उलझ रहे हैं। धार्मिक अनुष्ठान, भागवत् एवं कीर्तन भी दिखावे एवं आडम्बर के घेरे में आ रहे हैं। दिखावे और झूठी शान के लिए कर्ज लेकर भी समाज के लोग शादी-विवाह एवं अन्य सामाजिक समारोहों में धन का अपव्यय करते हैं। इसने समाज में गलत प्रतिस्पर्द्धा को जन्म दिया है। हमारे सम्मेलन के मार्ग दर्शकों ने इन चुनौतियों का सदैव सामना किया है। आप सबके सहयोग से हमें समाज को इन कुरीतियों से मुक्त करना है।

हम अपने पूर्वजों की सीखों को भूल रहे हैं। उनकी ईमानदारी, सादगी, संचय की प्रवृत्ति, जीवन के मूल्य, पारिवारिक प्रेम सभी हम भूलते जा रहे हैं। पाश्चात्य प्रभाव बढ़ रहा है लेकिन पश्चिमी देशों की अच्छी बातों को भी हम अपना नहीं रहे हैं। विश्व के सबसे धनी व्यक्ति वॉरेन बफेट अभी भी अपने 25 साल पुराने फ्लैट में रहते हैं, पुरानी गाड़ी में चढ़ते हैं एवं अरबों की धनराशि का दान करते हैं। हम तो दान कम करते

With Best Compliments :

## HOUSE OF IRON ORE SUPPLIERS

# R.B.SETH SHREERAM NARSINGDAS

RBSSN

**SANKALAPURAM IRON ORE MINES**
**POST BOX NO. 38, KARIGANUR POST,**
**HOSPET-583201, DIST. BELLARY,**
**KARNATAKA.**

PHONE (O) (08394) 266011, 265825, 653888, 9900558001
FAX (08394) 265424, 266188

**E-mail address**

ironorehospet@gmail.com, office@rbssn.com admin@rbssn.com

**LEADING SUPPLIER OF SUPER HIGH GRADE IRON ORE AND HIGH GRADE IRON ORE FINES.**

**We specialized in the supply of the following :-**

1. Iron ore fines 0-90% and above -(-) 10 mm, %Fe 62 to 66.
2. Calibrated Iron ore: (+) 10mm to (-) 40mm in, %Fe 62 to 65.
3. Heavy Density Hamatite Lumps and Aggregates for Nuclear power plant.

-: Sister Concerns :-

**M/S RAJLAKSHMI MINERALS,**
**M/S RBSSN FERROUS INDUSTRIES PRIVATE LIMITED**

हैं, फोटो ज्यादा खिंचवाते हैं।

अब समाज की बागडोर युवकों एवं युवतियों के हाथ में है कि वे इसे किस दिशा की ओर ले जाते हैं। उन्हें आदर्श स्थापित करने हैं। शिक्षा नहीं, उच्चतम् शिक्षा प्राप्त करनी है। प्रशासनिक, तकनीकी, चिकित्सा सभी क्षेत्रों में शिखर पर पहुँचना है। व्यवसाय को नहीं छोड़ना है, उच्च शिक्षा प्राप्त करके अपने व्यवसाय में रहकर उसे नयी प्रगति के पथ पर ले जाना है। अपने नैतिक, पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्यों को बचाकर रखना है। स्वामी विवेकानन्द ने तकनीकी एवं नैतिक शिक्षा पर एक जैसा जोर दिया है।

समाज सुधार बिना युवक-युवतियों के सहयोग के संभव नहीं है। शराब, सिगरेट, पान मसाला आदि नशे की चीजें शादी-विवाह में खुले तौर पर रखी जाती हैं। इसका विरोध होना चाहिए।

समाज को राजनैतिक क्षेत्र को उदासीनता से नहीं देखना चाहिये। राजनैतिक चेतना एवं भागीदारी समय का तकाजा है।

मैं नारी शक्ति से विशेष अपील करना चाहता हूँ क्योंकि परिवार एवं समाज में उनकी भूमिका अत्यन्त प्रभावी एवं महत्वपूर्ण है।

मारवाड़ वीरांगनाओं का देश रहा है। आज यदि मारवाड़ी समाज में महिलाओं की ही अवहेलना हो तो इससे अधिक शर्म की बात क्या हो सकती है। गीता में कहा गया है - नारी, परिवार और समाज में संस्कार की कमी होने से अधर्म फैल जाता है। हमें समाज की नारी को शिक्षित एवं विकसित करना है।

संगठन के बिना कुछ भी सम्भव नहीं है। हमें अपनी जड़ों को मजबूत करने हेतु नगर, जिला, प्रांतीय शाखाओं को और संगठित, शक्तिशाली एवं मजबूत करना है। देश व्यापी सदस्यता अभियान आरम्भ करना है। नई शाखाओं का विस्तार करना है। हमें सही मायने में राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के रुप में सम्मेलन को स्थापित करना होगा। प्रान्तीय शाखाओं एवं राष्ट्रीय सम्मेलन के बीच लगातार सम्पर्क एवं सामंजस्य स्थापित करना है। मुझे पूरा विश्वास है कि समाज का प्रत्येक सदस्य सम्मेलन का सदस्य बनेगा। सम्मेलन के लक्ष्य को अपना लक्ष्य समझेगा।

आप सभी ने मुझे अध्यक्ष निर्वाचित कर जो मान-सम्मान एवं महती उत्तरदायित्व सौंपा है उसके लिये मैं आप सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए आश्वासन देना चाहता हूँ कि मैं यथा शक्ति एवं यथासंभव आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने और उन्हें पूरा करने का पूर्ण प्रयास करूँगा। **राष्ट्र री प्रगति म्हारो लक्ष्य** हमारा उद्देश्य है जो हमारे चिन्ह पर अंकित है, हम सभी को इसी ओर कार्यशील होना है। मुझे विश्वास है कि मेरे कार्यकाल में मुझे आपके सहयोग एवं स्नेह की कोई कमी नहीं रहेगी। आपके समर्थन एवं सहयोग पर ही मेरी सफलता निर्भर है।

मैं आप सभी के बिना कुछ भी नहीं हूँ। मेरी शक्ति आप सभी हैं। मेरी एक प्रार्थना है, नि:संकोच मुझे सुझाव दें, मुझे आगाह करते रहें एवं मेरे कार्यों की समीक्षा करें। मैं आपके साथ-साथ चलना चाहता हूँ- अपने पूर्वजों द्वारा निर्धारित लक्ष्य एवं उद्देश्यों की यात्रा की ओर।

आप सभी को बार-बार धन्यवाद।

हरिप्रसाद कानोड़िया

**हरिप्रसाद कानोड़िया**

# बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

## 27 वाँ प्रादेशिक अधिवेशन

**बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का 27वाँ प्रादेशिक अधिवेशन आगामी 12 एवं 13 मार्च 2011 को गया शाखा के आतिथ्य में होने जा रहा है। अधिवेशन में श्री विजय कुमार किशोरपुरिया प्रादेशिक अध्यक्ष पद का भार ग्रहण करेंगे। अधिवेशन में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है। कृपया पहुँचने की सूचना प्रेषित करें।**

**कमल नोपानी**
अध्यक्ष ( 093341 12410 )

**राजेश सिकरिया**
महामंत्री ( 093043 03587 )

# समाज में पैदा करनी होगी वैचारिक क्रांति

-संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री

संगठन ही सर्वोपरि होता है और संगठन ही शक्तिशाली होता है। व्यक्तियों के समूह से संगठन चलता है और फिर संगठन से जुड़ते जाते हैं असंख्य लोग। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन भी ऐसा शक्तिशाली, सतत् प्रगतिशील और समाजोन्मुखी संगठन है, जिसकी शाखाएं फैलती जा रही हैं, लोग जुड़ते जा रहे हैं और पांव पसरते जा रहे हैं। मुझे ऐसे स्वनामधन्य संगठन से जुड़ने और अपनी सेवाएं देने का अवसर मिला है, जिसके लिए मैं हृदय की गहराईयों से आभार व्यक्त करता हूँ। मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ सम्मेलन के उन पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों को, जिन्होंने मुझे इस योग्य समझा। विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूँ अध्यक्ष महोदय को, जिनके सान्निध्य में संगठन के वैचारिक आंदोलन को नया आयाम देना है। हमें संगठन को और भी चुस्त-दुरुस्त करना है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ना है। समाज के साधारण लोगों को समेटना है, साथ लेना है, उनके विचारों को सुनना है-समझना है और सम्मेलन के नेतृत्व वर्ग तक पहुँचाना है ताकि नीचे से ऊपर तक, छोटे से बड़े तक लोगों की आकांक्षाएं, उम्मीदें समझी जा सकें और उसी के अनुरूप सम्मेलन विचारों की क्रांति का दौर शुरू कर सके।

**देश की आजादी के आंदोलन में, राष्ट्र के नव-निर्माण में, देश की आर्थिक-औद्योगिक तरक्की में मारवाड़ी समाज का अवदान अपने आप में विशिष्ट स्थान रखता है। हमें अपने समाज की इस गौरव गाथा को आगे बढ़ाना है।**

हां, हमें विचारों की क्रांति पैदा करनी है। समय और परिस्थितियों के मुताबिक आंदोलन के तौर-तरीके बदलने हैं। हमारे समाज में व्यापार हो या उद्योग, नौकरी पेशा हो या राजनीति, साहित्य हो या काव्य, जिधर भी देखो उधर ही मारवाड़ी समाज के लोग अपनी मजबूत उपस्थिति का अहसास करा रहे हैं। अपनी कार्यकुशलता और बौद्धिक क्षमता का इजहार करा रहे हैं। इस तरफ से कमी नहीं है, अगर कहीं कोई कमी दिख रही है तो वह है वैचारिक क्रांति की। हमें समाज के सभी वर्गों, चाहे युवा हों या प्रौढ़, महिलाएं हों या पुरुष या फिर युवतियां ही क्यों न हों, सब तक अपनी बात पहुंचानी होगी। जरूरत पड़े तो तर्क संगत ढ़ंग से अपनी बात रखनी है और उन्हें भारतीय संस्कृति-सभ्यता और अपने समाज की परंपराओं-रीति-रिवाजों का स्मरण कराना है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि आज वैश्विक युग में भी हमारे समाज में अपनी परम्पराएं मौजूद हैं। परम्पराओं का निर्वहन हो रहा है। यह अलग बात है कि लोग अपने तौर-तरीकों से परम्पराओं का मानते-मनाते हैं। हमें सोच का दायरा बढ़ाना है। उद्योग-व्यापार के क्षेत्र से ऊपर उठते हुए कई अन्य क्षेत्रों में भी उतनी ही सक्रियता दर्शानी है, जितनी सक्रियता हम उद्योग-धंधे में दिखाते चले आ रहे हैं।

समाज में बुराइयां हैं, आगे भी रही हैं और आने वाले समय में भी हो सकती हैं। जिन पर हमें गौर करना है। हमें सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठानी है और यह आवाज सिर्फ संगोष्ठियों, सभा मंचों तक ही सीमित न रह जाए, इस बात पर पूरा ध्यान देना है। निश्चित रूप से हमारे समाज ने उद्योग-व्यापार और आर्थिक मोर्चे पर तरक्की की है, लेकिन तरक्की का यह सिलसिला दूसरे क्षेत्रों में मोड़ना है। सामाजिक बुराइयों को अब और आगे नहीं बढ़ने देना है। हमें चुप नहीं बैठना है। निराश-हताश भी नहीं होना है। निराशा का कोई कारण भी नहीं है, क्योंकि विशेषकर हमारी युवा पीढ़ी सजग है, जागरूक है और विकसित सोच वाली है। इसलिए आशावान रहना है। आशावान इसलिए रहना है, क्योंकि अगर हम वैचारिक दृष्टि से कोई बात युवाओं को समझाने में सफल हो गए तो फिर युवा शक्ति का एक मजबूत आधार हमें हासिल हो जाएगा। युवा शक्ति का साथ मिलते ही हमारी बहुत सारी समस्याएं स्वत: खत्म हो जाएंगी। तो आइए, हम अपने समाज की युवा शक्ति को अपनाएं, युवाओं के करीब जाएं और उन्हें ही सम्मेलन का कर्ता-धर्ता बनाने की ओर कदम बढ़ाएं।

## २२वें राष्ट्रीय अधिवेशन की रपट

### अ.भा. मारवाड़ी सम्मेलन का 22वां राष्ट्रीय अधिवेशन पटना में सम्पन्न

# हरिप्रसाद कानोड़िया ने अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

**22वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन करते बिहार के पथ निर्माण मंत्री श्री नन्दकिशोर यादव, उपस्थित हैं बिहार के खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री श्याम रजक, पशुपालन एवं मत्स्य मंत्री श्री गिरिराज सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा, नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार।**

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 22वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन गत 29-30 जनवरी 2011 को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में पटना के बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स हॉल में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन का उद्घाटन बिहार के पथ निर्माण मंत्री नन्दकिशोर यादव ने किया। इस मौके पर बिहार के खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री श्याम रजक, पशुपालन एवं मत्स्य मंत्री गिरिराज सिंह एवं पर्यटन मंत्री सुनील कुमार पिन्टू ने उपस्थित होकर सम्मेलन के कार्यों की सराहना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्दलाल रुँगटा से नवानिर्वाचित अध्यक्ष हरिप्रसाद कानोड़िया ने पदभार ग्रहण किया। इसके अलावा भंवरमल सिंघी समाजसेवा पुरस्कार से रांची के भागचन्द पोद्दार एवं सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा साहित्यिक पुरस्कार से राजस्थान के रतनगढ़ निवासी सीताराम महर्षि को सम्मानित किया गया। संगठन को मजबूत करने एवं विगत दो वर्षों में बेहतर कार्य करने के लिए बिहार एवं उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी तथा सम्मेलन के सबसे पुराने कर्मचारी मथुरा सिंह को सम्मानित किया गया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष सीताराम शर्मा, स्वागताध्यक्ष दशरथ गुप्ता, बिहार प्रदेश के अध्यक्ष कमल नोपानी, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्षा

**राष्ट्रीय अध्यक्ष**
**श्री हरिप्रसाद कानोड़िया**

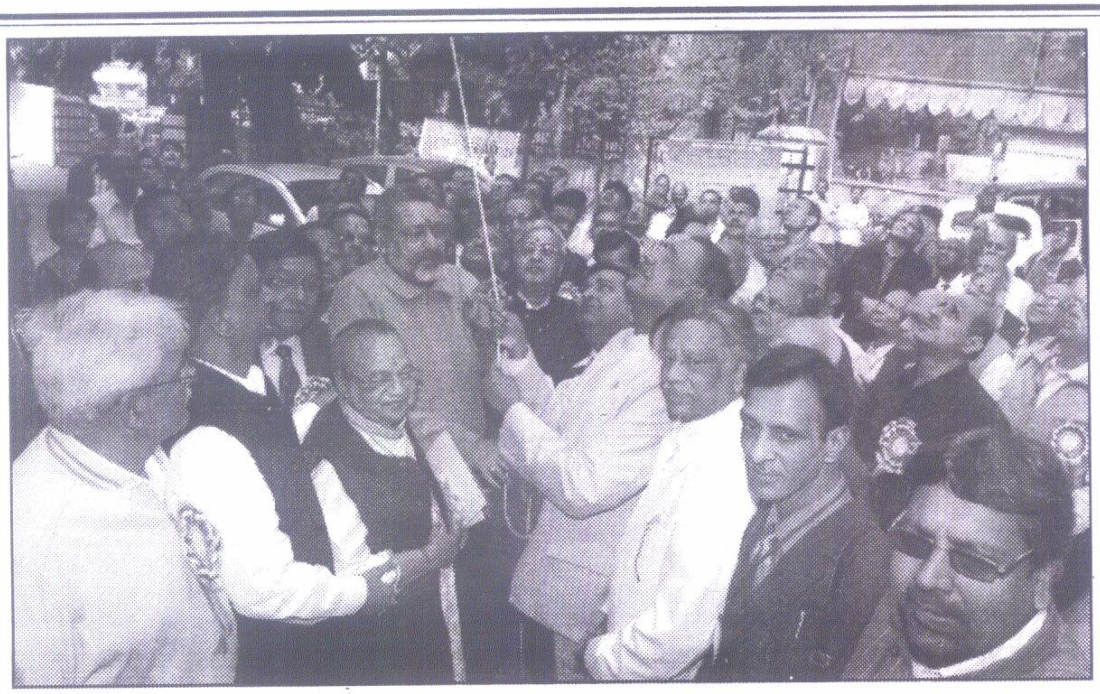

**झण्डोत्तोलन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा, परिलक्षित हैं बिहार के पशुपालन एवं मत्स्य मंत्री श्री गिरिराज सिंह, पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार, बिहार अध्यक्ष श्री कमल नोपानी व अन्य।**

श्रीमती स्मिता चेचानी आदि ने वक्तव्य रखा। राष्ट्रीय महामंत्री रामअवतार पोद्दार ने विगत दो वर्षों के कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट पेश की।

राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस मौके पर **सीखो राजस्थानी** पुस्तक का लोकार्पण किया गया।

खुले सत्र में राष्ट्रीय एकता, आर्थिक अवसर एवं चुनौतियां, राजनैतिक, उच्च शिक्षा कोष, राजस्थानी भाषा, समाज सुधार, संगठन आदि प्रस्ताव व्यापक चर्चा के बाद सर्वसम्मति से पारित किये गये। संचालन संयुक्त महामंत्री संजय हरलालका एवं धन्यवाद ज्ञापन बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री राजेश सिकरिया ने किया।

अधिवेशन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बद्रीप्रसाद भीमसरिया व ओमप्रकाश खण्डेलवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष आत्माराम सोंथलिया, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री रतन शाह व भानीराम सुरेका, प.बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष विजय गुजरवासिया, उत्कल के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र लाठ व महामंत्री विजय केडिया, झारखण्ड के प्रादेशिक महामंत्री कमल केडिया, म.प्र. के अध्यक्ष कमलेश नाहटा, संयोजक निर्मल झुनझुनवाला सहित विभिन्न प्रांतों से अनेक सदस्यों ने शिरकत की।

**पदभार ग्रहण करने के पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा।**

## पटना अधिवेशन द्वारा

# सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव

**राष्ट्रीय एकता, संगठन, आर्थिक अवसर एवं चुनौतियां, राजनीति, समाज सुधार, उच्च शिक्षा एवं राजस्थानी भाषा पर महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित**

विषय निर्वाचनी सभा की बैठक में बाएं से स्वागताध्यक्ष श्री दशरथ कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष श्री बद्रीप्रसाद भीमसरिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा, नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कमल नोपानी, संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका।

प्रस्ताव - 1

### राष्ट्रीय एकता

सम्मेलन का यह अधिवेशन भारत की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सर्वोपरि मानता है। राष्ट्र की सार्वभौमिकता तथा अखण्डता को चुनौती देने वाली सभी प्रकार की विघटनकारी, आतंकवादी एवं हिंसक प्रवृतियों के विरुद्ध सचेत रहने एवं प्रतिकार करने के लिये समाज आह्वान करता है। प्रान्तीयता, क्षेत्रीयता, भाषा, संस्कृति, धर्म एवं सम्प्रदाय के आधार पर अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली प्रवृतियों को सम्मेलन देश की एकता के लिये एक खतरनाक चुनौती मानता है। इस तरह की प्रवृतियों के विरुद्ध एवं राष्ट्र में एकता, भाईचारे, समरसता की भावना को विकसित करने के लिये सम्मेलन समाज से प्रभावी भूमिका निभाने की अपील करता है।

**प्रस्तावक :- श्री राजेश सिकरिया**
**अनुमोदक :- श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**
**डॉ. चिंरजीवी खण्डेलवाल**

.....

प्रस्ताव - 2

### संगठन

मारवाड़ी समाज देश के कोने-कोने में फैला हुआ है एवं

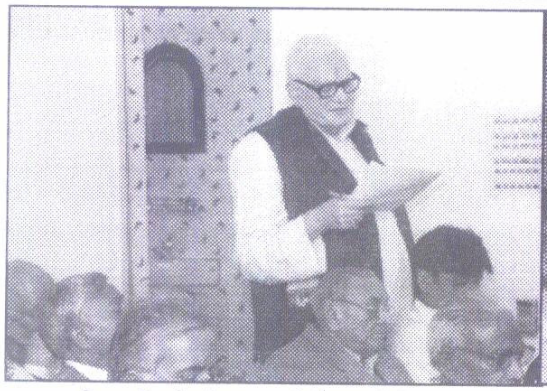

*विषय निर्वाचनी सभा की बैठक में विचार रखते श्री जुगल किशोर जैथलिया व श्री श्यामलाल डोकानिया।*

*प्रस्ताव रखते बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कमल नोपानी*

उन क्षेत्रों के निवासियों के साथ समरस होकर वाणिज्य व्यवसाय एवं विभिन्न पेशों एवं कामों में संलग्न है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सम्पूर्ण मारवाड़ी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है जो देश के कोने-कोने में बसे समाज के लोगों की समस्याओं को सुलझाने, उनके आत्म विश्वास एवं सामाजिक एकता की भावना को सुदृढ़ करने के लिये कार्य करता है। समाज के सभी व्यक्तियों को एकसूत्र में आबद्ध करने की दिशा में सफल एवं सार्थक कार्य सम्पन्न करने हेतु सम्मेलन की सांगठनिक शक्ति को मजबूत करने की आवश्यकता है।

संगठन का कार्य जमीनी स्तर पर होना आवश्यक है इसके लिये यह जरूरी है कि नगर, जिला एवं राज्य स्तर पर संगठन को सशक्त एवं प्रभावशाली बनाया जाये। राज्य एवं राष्ट्र स्तर पर सदस्यता अभियान के माध्यम से सम्मेलन के राष्ट्रीय स्वरूप को मजबूत करना है। एक ओर प्रांतीय सम्मेलनों को इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है वहीं राष्ट्रीय सम्मेलन को इस ओर समन्वय दिशा-निर्देशन एवं सक्रिय सहयोग प्रदान करना है।

**प्रस्तावक :- श्री कमल नोपानी**
**अनुमोदक :- श्रीमती पुष्पा चोपड़ा**
**श्री विश्वनाथ केडिया**

## प्रस्ताव - 3
## आर्थिक अवसर एवं चुनौतियां

*विषय निर्वाचनी सभा की बैठक में पारित प्रस्ताव 'आर्थिक अवसर एवं चुनौतियां' को खुले सत्र में रखते श्री संतोष सराफ।*

वैश्विक मन्दी से उबरकर भारत 8-9 प्रतिशत की दर से प्रगति के पथ पर है। अच्छी फसल, निर्यात में वृद्धि एवं कम्पनियों में पर्याप्त मुनाफा आदि 2011 में दस प्रतिशत की दर से वृद्धि को इंगित करता है। इस प्रगति की दर की वजह से आर्थिक अवसरों में वृद्धि हुई है। विश्व की नजर भारत के बाजार पर है। फलस्वरुप प्रवासी भारतीयों की उल्टी यात्रा आरंभ है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, करीब 1 करोड़ 14 लाख भारतीय काम-धन्धे के लिये विदेश गये एवं 54 लाख भारत वापस आये। 2009 में 60,000 प्रवासी भारतीय अमेरिका से स्थायी रूप में वापस भारत लौटे हैं। खाड़ी देशों से लौटने वालों की संख्या कहीं अधिक हैं। स्पष्टत: देश में आर्थिक अवसर बढ़ रहे हैं।

लेकिन महंगाई एक बड़ी समस्या के रूप में उभरी है। कमर-तोड़ लगातार महंगाई ने गरीब ही नहीं मध्यम वर्ग को भी त्रस्त कर रखा है। पिछले दिनों में प्याज के दाम 82 प्रतिशत, टमाटर 113 तथा बैंगन 94 प्रतिशत बढ़े हैं। महंगाई रुकने का नाम नहीं ले रही है। मुद्रा स्फीति की दर 9-10

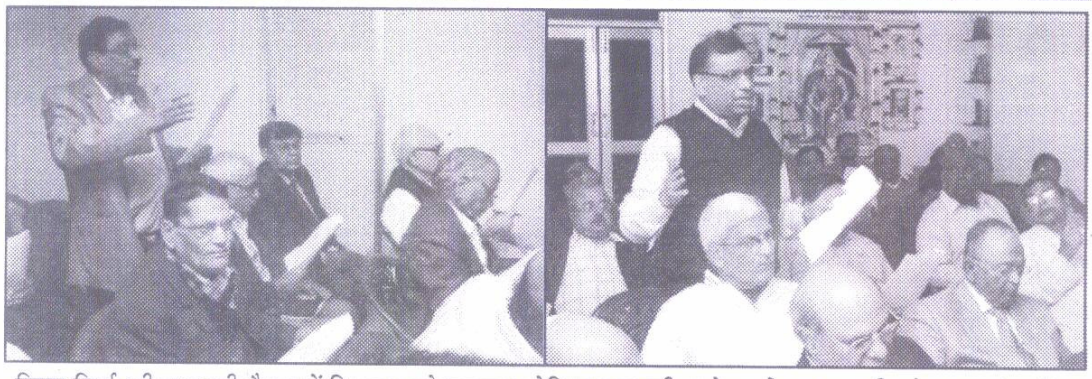

*विषय निर्वाचनी सभा की बैठक में विचार रखते उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र लाठ ( बाएं ) व श्री बिनोद तोदी ( बिहार ) ( दाएं )।*

प्रतिशत है। इस पर रोक लगाकर 5 प्रतिशत तक लाना आवश्यक है। अत: महंगाई पर काबू पाने के लिये आर्थिक नीतियों में सरकारी पहल आवश्यक है। सम्मेलन बढ़ती महंगाई पर चिंता व्यक्त करता है।

अवसरों के साथ आर्थिक व्यवस्था कई नई चुनौतियाँ भी प्रस्तुत कर रहा है। खुली विश्व अर्थव्यवस्था तथा बढ़ता विदेशी पूंजी का प्रभाव, एक ओर तीव्र प्रतिस्पर्द्धा को जन्म दे रहा है वहीं छोटे एवं मझौले उद्योगों एवं खुदरा तथा थोक व्यापार के समक्ष अस्तित्व का प्रश्न प्रस्तुत कर रहा है। सरकार को कृषकों, छोटे- मझौले व्यापारियों के हितों की रक्षा करते हुए अर्थनीति के साथ जुड़ी हुई कानूनी जटिलताओं के सरलीकरण को प्रोत्साहित करना चाहिये।

**प्रस्तावक :- श्री संतोष सराफ**
**अनुमोदक :- श्री रविन्द्र लढ़िया**
**श्री बिनोद तोदी**

.....

**प्रस्ताव - 4**

## राजनैतिक

विश्व के सबसे बड़े गणतांत्रिक देश के रूप में भारत की प्रतिष्ठा सर्वमान्य है। गत कई दशकों से मिली-जुली सरकारों का दौर चल रहा है। इस वास्तविकता को देश ने स्वीकार कर लिया है। संभवत: आने वाले कई वर्षों तक यही स्थिति बने रहने की संभावना है। केन्द्र में मिली-जुली सरकार के चलते महत्वपूर्ण एवं दूरगामी नीति-निर्णयों की गति धीमी हुई है, साथ ही समझौते की राजनीति का राष्ट्र की प्रगति पर प्रभाव पड़ा है।

सरकार का आपसी अन्तर्विरोध, दलगत राजनीति, भ्रष्टाचार के लगातार आरोप एवं अनिर्णय की स्थिति राष्ट्रहित में नहीं है। महंगाई पर सरकार का अंकुश आवश्यक है क्योंकि आम आदमी महंगाई से त्रस्त है। राजनैतिक विरोध के फलस्वरुप संसद का कार्य ठप है, जो कि चिन्ता का विषय है। सभी राजनैतिक दल दलगत स्वार्थ से उपर उठकर कार्य करें, यह समय का तकाजा है। कई राज्यों में बहु दलीय सरकारें कार्य कर रही हैं। बहु दलीय सरकारें अपने आप में विकास एवं प्रगति में बाधक नहीं हैं। किन्तु आपसी समझ एवं सामंजस्य आवश्यक है।

सम्मेलन गणतांत्रिक व्यवस्था का हामी रहा है तथा केन्द्र एवं राज्यों में ऐसी सरकारें चाहता है जो स्थायी, निष्पक्ष, भ्रष्टाचारमुक्त एवं प्रगतिशील हो, जो देश को विकास एवं प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर करते हुए राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता के लिये कटिबद्ध हो।

सम्मेलन की सोच है कि मारवाड़ी समाज में राजनैतिक चेतना के विकास एवं राजनैतिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता हैं।

**प्रस्तावक :- श्री सुरेन्द्र लाठ**
**अनुमोदक :- श्री बिनोद अग्रवाल**
**श्री हरे कृष्ण अग्रवाल**

.....

**प्रस्ताव - 5**

## समाज सुधार व स्वास्थ्य

मारवाड़ी सम्मेलन का यह अधिवेशन समाज में बढ़ते हुए धन के प्रभाव एवं गिरते नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों पर चिन्ता व्यक्त करता है। वैवाहिक कार्यक्रमों में बढ़ता दिखावा-आडम्बर एवं धन का प्रदर्शन तथा अन्य धार्मिक एवं पारिवारिक आयोजनों के अवसर पर बढ़-चढ़ कर किये जाने वाले फिजूलखर्ची की प्रवृति को समाज के स्वस्थ स्वरूप के लिये बाधक एवं घातक मानता है। इस प्रकार के विवेकहीन प्रदर्शनों से समाज की छवि धूमिल होती है तथा अन्य समाजों में भ्रामक धारणा बनती है। विवाह आदि अवसरों पर लेन-देन और दहेज, पण्डाल तथा कार्ड छपाई, भोज आदि पर अनावश्यक

*विषय निर्वाचनी सभा की बैठक में विचार रखते श्री रामनिवास चोटिया व श्री कैलाशपति तोदी।*

खर्च करने की होड़ सी लगी हुई है।

बढ़ते तलाक, टूटते परिवार, बुजुर्गों के प्रति गिरता सम्मान, आदि चिन्तनीय विषय हैं। सादगी एवं मितव्ययिता व्यक्तिगत ही नहीं सामाजिक गुण भी है।

समाज के बौद्धिक एवं चिन्तनशील वर्ग से इस कुप्रवृत्ति के विरुद्ध आवाज उठाने एवं जनमत तैयार करने का सम्मेलन आह्वान करता है। सम्मेलन को भी आवश्यकतानुसार प्रतीकात्मक एवं आन्दोलनात्मक अभियान के माध्यम से प्रतिरोध व्यक्त करने पर गम्भीरता से विचार करना चाहिये।

इसके अलावा सर्वसम्मत्ति से यह अधिवेशन अनुभव करता है कि समाज में खान-पान की खराबी तथा जीवन शैली में ह्रास के कारण मधुमेह की बीमारी फैलती जा रही है। इसके निवारण एवं नियन्त्रण की आवश्यकता है। सम्मेलन अपनी शाखाओं के माध्यम से मधुमेह जाँच शिविर लगावे व निवारण के उपाय करे। यह अधिवेशन यह भी अनुभव करता है कि आज देश में विशेष कर समाज में तम्बाकू, गुटखा, खैनी आदि का प्रयोग बढ़ता जा रहा है जिससे स्वास्थ्य खोखला हो रहा है। यह अधिवेशन सभी शाखाओं तथा महानुभावों का आह्वान करता है कि तम्बाकू मुक्ति मिशन के अभियान में जो संस्थाएं व व्यक्ति जागरूक हैं उनके साथ मिलकर इस मिशन को आगे बढ़ावें।

**प्रस्तावक :- श्रीमती पुष्पा चोपड़ा, डॉ. आर.के. मोदी**
**अनुमोदक :- श्री कैलाशपति तोदी, श्री कमलेश नाहटा**
**डॉ. चिरंजीवी खण्डेलवाल**
**प्रो. रामपाल अग्रवाल, नूतन**

.....

**प्रस्ताव - 6**

## उच्च शिक्षा कोष

2006 में भुवनेश्वर में आयोजित 20वें राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज में उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिये मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को सहयोग देने का आह्वान किया गया था। तत्पश्चात इस प्रस्ताव एवं कार्यक्रम को दिल्ली के 21वें अधिवेशन में दोहराया गया।

कौस्तुभ जयंती के कार्यक्रमों के अन्तर्गत इस कार्यक्रम को और मजबूती प्रदान करने के लिये एक 2 करोड़ रुपये के उच्च शिक्षा कोष का मारवाड़ी सम्मेलन फाउण्डेशन के अन्तर्गत गठन करने का निर्णय लिया गया।

*श्री नागरमल बाजोरिया उर्फ धरतीपकड़ का शॉल ओढ़ाकर सम्मान करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा एवं मोमेन्टो प्रदान करते नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया। साथ में परिलक्षित हैं पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष श्री कमल नोपानी व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री आत्माराम सोंथलिया।*

*विषय निर्वाचनी सभा की बैठक में उपस्थित सदस्य।*

इस कार्यक्रम एवं प्रयास का सम्मेलन स्वागत करता है। प्रांतीय स्तर पर स्थापित शिक्षा कोष जहां एक तरफ शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार के लिये कार्य करते रहें वहीं राष्ट्रीय सम्मेलन समाज में उच्च शिक्षा के लिये हर संभव प्रयास करे। इस कार्यक्रम में सभी प्रांतीय सम्मेलनों की भागीदारी हो एवं अन्ततोगत्वा एक बड़े कोष का गठन किया जा सके जिससे कि देश के किसी कोने में भी समाज का कोई भी मेधावी छात्र या छात्रा धन के अभाव में उच्चतम शिक्षा प्राप्त करने से वंचित न रह सके।

**प्रस्तावक :- डॉ. चिरंजीवी खण्डेलवाल**
**अनुमोदक :- श्री लक्ष्मीनारायण डोकानिया**
**श्री श्यामलाल डोकानिया**

.....

**प्रस्ताव - 7**

## *राजस्थानी भाषा*

राजस्थानी भाषा एवं साहित्य अत्यन्त समृद्ध है। गत दशकों में राजस्थानी साहित्य की विभिन्न विधाओं में लेखकों-कवियों-कवित्रियों साहित्यकारों ने इसके भंडार को और अधिक समृद्ध किया है। सम्मेलन कई वर्षों से राजस्थानी साहित्य की श्रीवृद्धि में योगदान के लिये साहित्यकारों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करता आया है।

सम्मेलन इस विषय पर क्षोभ एवं असंतोष व्यक्त करता है कि विभिन्न स्तर पर आश्वासनों के बाद भी राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है।

सम्मेलन समाज के विधान सभा एवं संसद सदस्यों से केन्द्रीय सरकार से राजस्थानी भाषा को संवैधानिक एवं राज्य भाषा का सम्मान एवं स्थान देने के लिये ईमानदारी से सक्रिय प्रयास करने का आह्वान करता है।

**प्रस्तावक :- श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला**
**अनुमोदक :- श्री एन.के. अग्रवाल**
**श्री गिरधारीलाल सराफ**

*स्थानीय पत्रकारों से रूबरू होते पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा के साथ हैं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा, नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार एवं बिहार अध्यक्ष श्री कमल नोपानी।*

# प्रस्तावों पर हुई बहस का एक हिस्सा

## प्रस्ताव - 1 : राष्ट्रीय एकता

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री राजेश सिकरिया ने अध्यक्ष के आदेशानुसार राष्ट्रीय एकता से सम्बन्धित पहला प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

## प्रस्ताव - 2 : संगठन

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कमल नोपानी ने संगठन पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

**श्री सीताराम शर्मा ( पूर्व अध्यक्ष )**

यह प्रस्ताव आने वाले दो वर्षों के लिए सम्मेलन को दिशा-निर्देश देगा। सम्मेलन मजबूत होना चाहिए, यह तो ठीक है किन्तु कैसे होना चाहिए इस पर विचार करें। संगठन एवं समाज सुधार में हमें बड़ी सफलता नहीं मिल पा रही है।

**श्री बिनोद तोदी ( बिहार )**

संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए संगठन में आमूल-चूल परिवर्तन हो। ग्रामीण स्तर से मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता है। पदाधिकारी शाखाओं का दौरा करें।

**श्री प्रह्लाद झुनझुनवाला**

संगठन मजबूत होना चाहिए। कार्यों के माध्यम से लोगों को अपने साथ जोड़ें। दिल्ली देश की राजधानी है। वहां संस्था का सशक्त संगठन या केन्द्रीय कार्यालय होना चाहिए।

**श्री सत्यनारायण पोद्दार ( भागलपुर )**

कैसे संगठन को मजबूत करें इस पर अलग से प्रस्ताव आना चाहिए।

**श्री विश्वनाथ केडिया ( बिहार )**

बिहार में जिला इकाइयों को खत्म कर दिया गया है। उन्हें फिर से चालू किया जाये।

**श्री श्याम सुन्दर तुलस्यान**

संगठन को मजबूत करने हेतु शाखाओं को मजबूत करना होगा। पदाधिकारियों को दौरा करना होगा। पत्राचार होना चाहिए।

**श्री प्रमोद गोयनका ( कोलकाता )**

सबसे पहले जन-सम्पर्क विभाग बनाएं। वह सम्मेलन के सभी प्रान्तों से निरन्तर सम्पर्क में रहे। तभी संगठन मजबूत हो सकता है।

**श्री कैलाश प्रसाद भावसिंहका**

यह प्रस्ताव पारित होना चाहिए। संगठन कैसे मजबूत हो, इस पर चिन्तन जरूरी है।

**श्री सुरेन्द्र लाठ ( अध्यक्ष : उत्कल )**

प्रस्ताव के माध्यम से संगठन पर विचार नहीं होकर, अलग से बातचीत होनी चाहिए। मारवाड़ी समाज के सभी संगठनों को हम कैसे एक साथ जोड़ें, यह सोचना होगा। तभी हमारा उद्देश्य सार्थक हो सकता है। युवा शक्ति को जोड़ने की जरूरत है। महिलाओं की भागीदारी संगठन में नगण्य है। समाज से सभी वर्गों को जोड़ने से लक्ष्य की प्राप्ति संभव है।

**श्री राधेश्याम अग्रवाल**

हमारी कथनी-करनी में फर्क है। मध्यम वर्ग की सम्मेलन के प्रति उत्पन्न हुई सोच को बदलना होगा। उन्हें संगठन से सक्रिय तौर पर जोड़ना होगा, तभी संगठन सजबूत होगा।

**डॉ. चिरंजीवी अग्रवाल**

संविधान को दुरूस्त करने की जरूरत है। पूरे देश में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नाम से कार्य हो। अध्यक्ष का चुनाव निचले स्तर से होना चाहिए।

**श्रीमती ममताजी**

मारवाड़ी समाज की सूचनावर्द्धक खबरें लोगों तक पहुँचाएं तभी समाज सम्मेलन से जुड़ पायेगा।

**श्री रमेश कुमार केजड़ीवाल**

प्रत्येक वर्ष यह प्रस्ताव आता है। चिन्तन इस बात पर होना चाहिए कि अब तक इस पर काम क्यों नहीं हुआ। मारवाड़ी युवा मंच हमसे आगे निकल गया, हम क्यों पिछड़ गये ?

**श्री संदीप मुरारका**

यह प्रस्ताव परित होना चाहिए।

**श्री काबराजी**

राष्ट्रीय अध्यक्ष को जिलों का दौरा करना चाहिए। पूरे देश में अ.भा.मारवाड़ी सम्मेलन का संगठन शीर्ष पर हो।

**श्री विजय गुजरवासिया ( अध्यक्ष : प.बंग )**

जब तक नाम अलग-अलग होंगे समस्या आयेगी। सभी जगह अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नाम से काम होना चाहिए। सभी परिवारों को सम्मेलन से जोड़ें।

**श्री कमल नोपानी ( अध्यक्ष : बिहार )**

शाखाओं का भी कुछ दायित्व होता है। यह कहते हुए दुःख होता है कि शाखाएं निष्क्रिय रहती हैं। सिर्फ पदाधिकारी ही दोषी नहीं हैं। स्व चेतना का संचार होना जरूरी है। तभी

संगठन मजबूत होगा।

## प्रस्ताव - 3 : आर्थिक अवसर एवं चुनौतियां

श्री संतोष सराफ ने इस प्रस्ताव को रखते हुए इसकी प्रासंगिकता पर जोर दिया।

**श्री जी.पी. केजड़ीवाल**

यह प्रस्ताव पारित होना चाहिए। सरकार को इस मामले में पहल करनी चाहिए।

## प्रस्ताव - 4 : राजनैतिक प्रस्ताव

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र लाठ ने यह प्रस्ताव रखते हुए विस्तार से इस प्रस्ताव पर अपनी बात रखी।

**श्री बिनोद अग्रवाल ( झारखण्ड )**

मारवाड़ी समाज पूरे देश को दिशा देने में सक्षम है। राजनीति के क्षेत्र में भी समाज को लोगों को बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए।

**श्रीमती पुष्पा चोपड़ा ( बिहार )**

यह प्रस्ताव समय की मांग है। हमें समवेत होकर कार्य करने की जरूरत है।

**श्री बिनोद तोदी ( बिहार )**

यह प्रस्ताव अच्छा है। मतदान के लिए समाज के लोगों को प्रेरित करने की जरूरत है।

**श्री संदीप मुरारका ( बिहार )**

प्रस्ताव इस तरह पारित होना चाहिए कि हम राजनीति के क्षेत्र में मारवाड़ी को प्रोत्साहित करें।

## प्रस्ताव - 5 : समाज सुधार व स्वास्थ्य

श्रीमती पुष्पा चोपड़ा ने समाज सुधार का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि समाज सुधार हेतु हमें आन्दोलनात्मक रूख अपनाना होगा।

डॉ. आर. के मोदी ने स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रस्ताव रखा।

**श्री सत्यनारायण पोद्दार**

विवाह एवं अन्य अवसरों पर अनर्गल खर्च करने वालों के समारोहों का बहिष्कार करना चाहिए।

**श्री गणेश कुमार खेमका**

विवाह समारोहों में नृत्य व मद्यपान पर रोक लगे।

**श्री भंवरलालजी ( बिहार )**

समाज सुधार की प्रक्रिया यहां बैठे लोग अभी से प्रण लेकर शुरु करें। लेकिन ऐसा नहीं होगा।

**श्री पी.के. लीला ( कोलकाता )**

समाज अपने वादों पर खरा नहीं उतर रहा है। समाज में गलत पैसा आ रहा है। इससे सामाजिक प्रदूषण घटने की बजाय बढ़ रहा है।

**श्री सुमित चमड़िया**

विवाह समारोह में आयटम की संख्या निर्धारित हो। पुरूषों की मिलनी कागज के चार 10 रुपये हों। महिलाओं की मिलनी 50 रुपये हो।

## प्रस्ताव - 6 : उच्च शिक्षा कोष

डॉ. चिरंजीव खण्डेलवाल ने यह प्रस्ताव रखा।

**श्री शिव कुमार केडिया**

प्राथमिक शिक्षा के बारे में भी सम्मेलन को सोचना चाहिए।

**श्री श्याम सुन्दर पोद्दार ( उड़ीसा )**

आज समाज में छात्रावास की नितान्त आवश्यकता है। कालेज खोले जाने चाहिए।

**श्री विजय रूईया**

निजी स्तर पर स्कूल व कालेज खुल रहे हैं जिन पर सरकारी अंकुश खत्म हो गया है। जिसके कारण शिक्षा निम्न व मध्यम लोगों की पहुँच से बाहर होती जा रही है। यह चिन्तनीय है।

## प्रस्ताव - 7 : राजस्थानी भाषा

बिहार के श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला ने यह प्रस्ताव रखा।

**श्री महेश जालान ( बिहार )**

हमें स्वयं में सुधार लाना होगा। हम स्वयं अपनी मातृभाषा को भूल गये हैं। स्वयं को बदलना होगा। इस प्रस्ताव में राजस्थानी साहित्य एवं कला को भी जोड़ें।

**श्री महावीर प्रसाद बिदासरिया**

राष्ट्रीय अधिवेशन में राजस्थानी पुस्तकों को कोई स्टॉल नहीं है जो कि होना चाहिए।

इसके अलावा भी कई अन्य लोगों ने इन प्रस्तावों पर अपनी बात रखी। उपरोक्त चर्चा के उपरान्त सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गये।

## रमेश गर्ग फिर इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त

मध्य प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के संस्थापक महामंत्री श्री रमेश गर्ग को इंडियन नेशनल लोकदल का लगातार आठवीं बार महामंत्री नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति हरियाणा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री व इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने की है। दिनांक 3 जनवरी 2011 को श्री चौटाला ने अपनी नवीन कार्यकारिणी घोषित करते समय श्री गर्ग को राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया।

## २२वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

*अधिवेशन स्थल का मुख्य प्रवेश द्वार।*

*अधिवेशन में पहुँचने वाले गणमान्य लोगों के स्वागत हेतु उपस्थित मारवाड़ी युवा मंच की महिला सदस्याएं।*

# २२वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

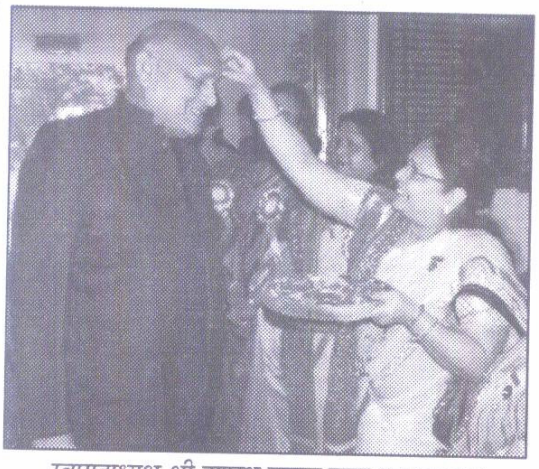

स्वागताध्यक्ष श्री दशरथ कुमार गुप्ता का स्वागत।

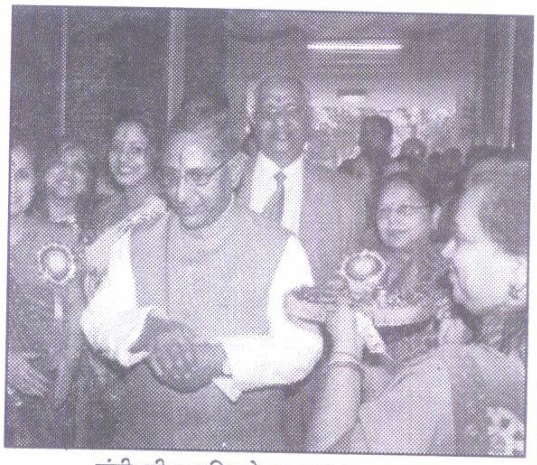

मंत्री श्री नन्दकिशोर यादव का स्वागत।

श्री आत्माराम सोंथलिया एवं श्री विजय गुजरवासिया का स्वागत।

मंत्री श्री श्याम रजक का स्वागत।

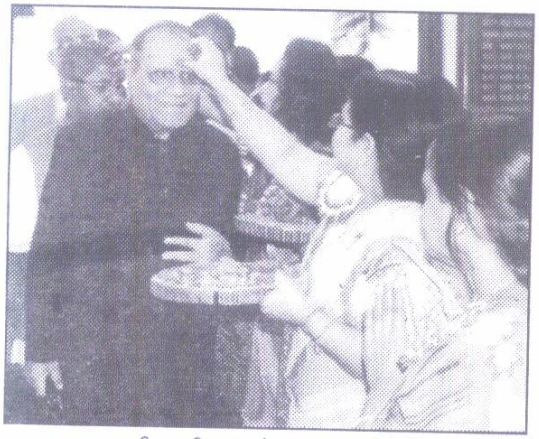

श्री भानीराम सुरेका का स्वागत।

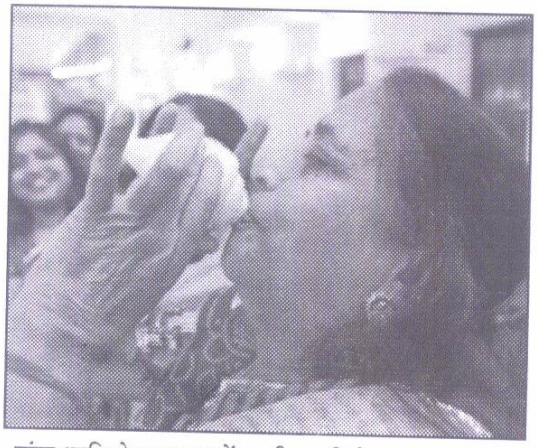

शंख ध्वनि के साथ 22वें राष्ट्रीय अधिवेशन का आगाज ।

*अतिथियों एवं उपस्थित गणमान्य लोगों के स्वागतार्थ स्वागत गीत पेश करती महिलाएं।*

*राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया का स्वागत करती मारवाड़ी युवा मंच की महिला सदस्याएं।*

## २२वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

*अधिवेशन मंच पर उपस्थित हैं सर्वश्री नन्दकिशोर यादव ( मंत्री : बिहार ), गिरिराज सिंह ( मंत्री : बिहार ), श्याम रजक ( मंत्री : बिहार ), नन्दलाल रुँगटा, हरिप्रसाद कानोड़िया, राम अवतार पोद्दार, कमल नोपानी, निर्मल कुमार झुनझुनवाला, बलराम सुल्तानिया, विजय केडिया, सुरेन्द्र लाठ, ओम प्रकाश खण्डेलवाल, विजय गुजरवासिया, भानीराम सुरेका, कमलेश नाहटा, रतन शाह। संचालन करते संजय हरलालका।*

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया का स्वागत करते प.बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारी व सदस्य।

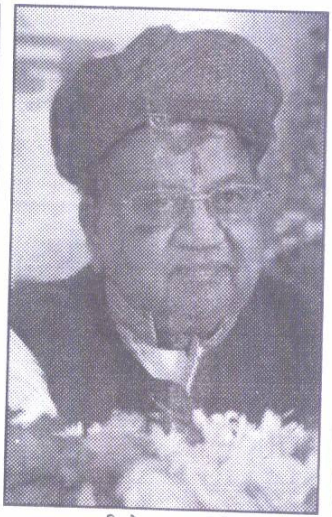

राजस्थानी वेश-भूषा में राष्ट्रीय महामंत्री श्री *राम अवतार पोद्दार*

*सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार से सम्मानित हुए*

# श्री सीताराम महर्षि (रतनगढ़)

तिलक करती श्रीमती सुषमा अग्रवाल

माल्यप्रदान करते श्री विजय केडिया

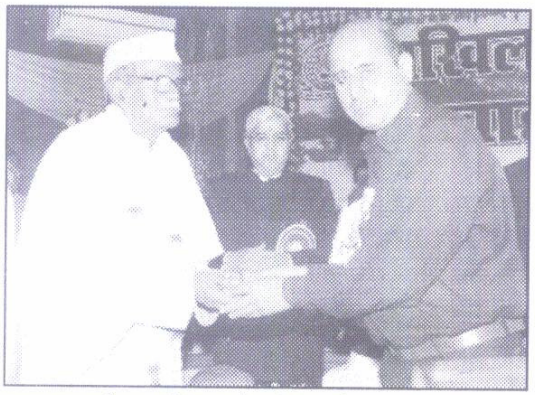

श्रीफल भेंट करते श्री कमलेश नाहटा

शॉल ओढ़ाकर अभिनन्दन करते श्री सुरेन्द्र लाठ

पगड़ी पहनाने के पश्चात् अभिनन्दन करते श्री विजय गुजरवासिया

मानपत्र प्रदान कर अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा, श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री सीताराम शर्मा

भंवरमल सिंघी समाजसेवा पुरस्कार से सम्मानित हुए

# श्री भागचन्द पोद्दार (रांची)

तिलक करते श्री ओम प्रकाश खण्डेलवाल

माल्यप्रदान कर अभिनन्दन करते श्री कमल केडिया

श्रीफल भेंट करते श्री विजय किशोरपुरिया

शॉल ओढ़ाकर अभिनन्दन करते श्री भानीराम सुरेका

अभिनन्दन पत्र प्रदान करते बिहार के पर्यटन मंत्री श्री सुनील कुमार पिन्टू।

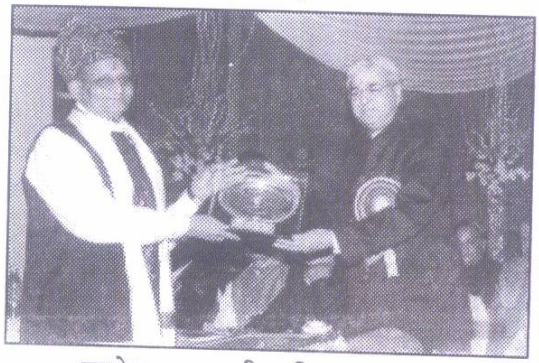

सम्मेलन का प्रतीक चिन्ह प्रदान करते पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा

## २२वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

पद सौंपने के पश्चात् एक-दूसरे का परस्पर अभिवादन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद कानोड़िया एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा को सम्मेलन का प्रतीक चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री आत्माराम सोंथलिया, श्री संजय हरलालका, श्री कमल नोपानी, श्री दशरथ कुमार गुप्ता, श्री निर्मल झुनझुनवाला।

सभागार में उपस्थित गणमान्य लोग।

राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एस.आर. रुँगटा ग्रुप के सहयोग से प्रकाशित पुस्तक 'सीखो राजस्थानी' ( हिन्दी-अंग्रेजी व्याकरण सहित ) का लोकार्पण करते सर्वश्री नन्दकिशोर यादव ( मंत्री : बिहार ), सुनील कुमार पिन्टू ( मंत्री: बिहार ), नन्दलाल रुँगटा, हरिप्रसाद कानोड़िया, सीताराम शर्मा, रामअवतार पोद्दार, रतन शाह व जुगलकिशोर जैथलिया।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कमल नोपानी को मोमेन्टे प्रदान करते सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारी।

सम्मेलन के सबसे पुराने कर्मचारी मथुरा सिंह का शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार व अन्य पदाधिकारी।

सम्मेलन के पदाधिकारियों के साथ वार्तालाप करती अखिल भारवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अध्यक्षा श्रीमती स्मिता चेचानी

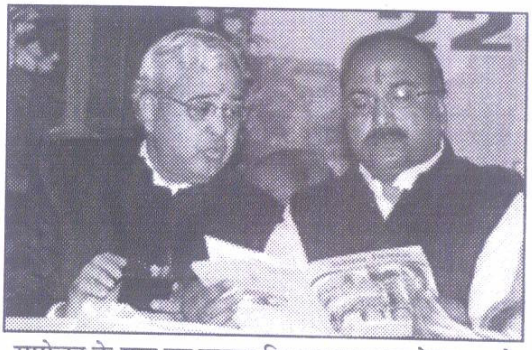

सम्मेलन के मुख पत्र समाज विकास का अवलोकन करते बिहार के खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री श्याम रजक, इससे सम्बन्धित जानकारी प्रदान करते पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा।

Comprehensive and Exclusive

# Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

# Subscribe

100% Bargain

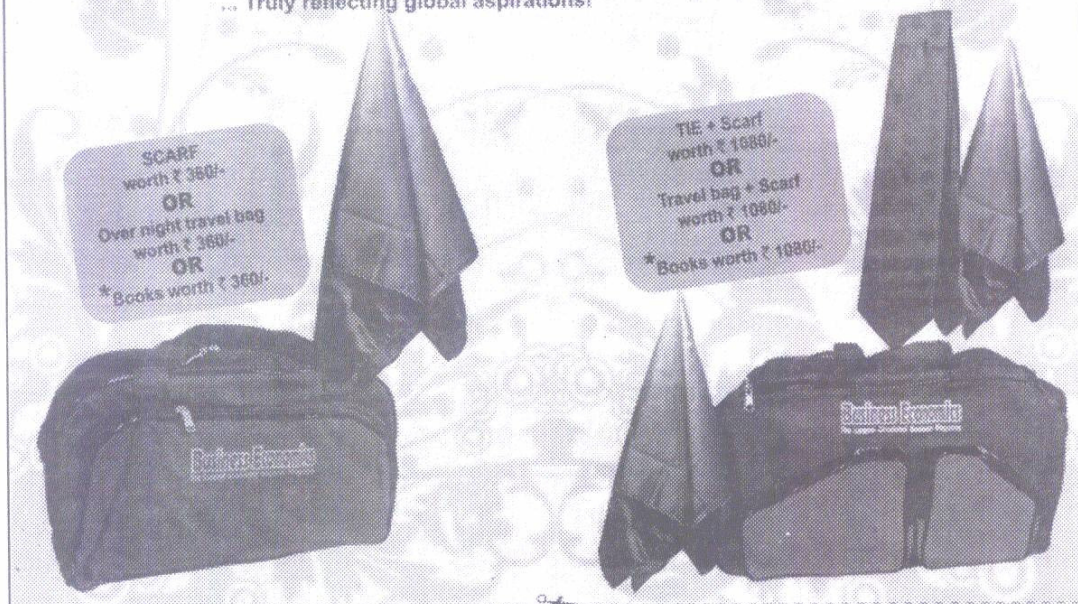







## Business Economics Subscription Form

**Yes! I would like to subscribe Business Economics**

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

| Tick | Term | No. of Issues | Price you pay | Gift Value | Saving | US $ | UK £ | Gift Option |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ☐ | 3 Years | 72 | 1080/- | 1080/- | 1080/- | 144 | 72 | ☐ Tie + Scarf OR ☐ Bag + Scarf ☐ Books<br>☐ Any One Book out of above (For International) |
| ☐ | 1 Year | 24 | 360/- | 360/- | 360/- | 48 | 24 | ☐ Scarf OR ☐ Bag OR ☐ Books<br>☐ Any One Book out of above (For International) |
| ☐ | 1 Year | 24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 50) | 120/- | NIL | 290/- | - | - | ☐ Exclusively for Students |
| ☐ | 1 Year | 24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 50) | 120/- | NIL | 290/- | - | - | ☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS |

Name : Mr./Ms. ..............................

Address : ..............................

.............................. City/District: ..............................

State: .............................. Country: .............................. Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : .............................. Mobile : .............................. Landline : .............................. STD CODE

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. ______ dated: ______ for Rs. ______ drawn on: ______

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

★ For books see reverse page

Signature .............................. date: ..............................

**Mail this subscription form along with your Cheque / DD to :** Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

**For Subscription enquiries contact : Kolkata** : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai** : Rajendra Singh : 90290 84951
**New Delhi** : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima** : Povotso Lohe : 94360 05889

## अखिल भारतीय समिति की बैठक

# संगठन व समाज सुधार पर लिए गये महत्वपूर्ण निर्णय

**बैठक में बाएं से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संतोष सराफ, संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका व श्री कैलाशपति तोदी।**

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारण समिति अखिल भारतीय समिति की बैठक रविवार, 20 फरवरी 2011 को हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया ने की। बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री श्री संतोष सराफ ने पटना में सम्पन्न 22वें राष्ट्रीय अधिवेशन की विस्तृत रिपोर्ट रखी तथा सम्मेलन द्वारा विगत दिनों किये कार्यों की जानकारी दी।

**संविधान की धारा 10 के अन्तर्गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं अन्य समितियों के गठन सहित निष्क्रिय प्रांतों के पुर्नगठन का भार राष्ट्रीय अध्यक्ष को**

सम्मेलन सभापति श्री हरिप्रसाद कानोड़िया ने संगठन को बढ़ाने हेतु सदस्य संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। इसके अलावा सम्मेलन के सभी प्रांतों को लेकर एकल सदस्यता लागू करने की बात कही। आपने कहा कि सभी प्रांतों को मिलाकर हमारी हमारी सदस्य संख्या एक लाख से अधिक होनी चाहिए। समाज सुधार पर बल देते हुए आपने कहा कि सम्मेलन से महिलाओं एवं युवाओं को जोड़ने से ही समाज सुधार, दिखावा व आडम्बर को रोकने की दिशा में हमें सफलता मिल सकती है। अब समय आ गया है कि हमें इस दिशा में गंभीरता पूर्वक चिन्तन करते हुए कदम उठाने चाहिए। आपने विवाह समारोह में मद्यपान, सड़कों पर नाच-गान, शादी-विवाह में बढ़ते आडम्बर पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि इस पर अंकुश जरूरी है। आपने कहा कि आजकल धार्मिक व अन्य सामाजिक समारोहों में भी आडम्बर, दिखावा व फिजूलखर्ची बढ़ती जा रही है। इस पर भी समाज को गंभीरतापूर्वक सोचना चाहिए। राजनैतिक चेतना के सम्बन्ध में आपने कहा कि समाज के लोगों को राजनीति में आना चाहिए, मतदाता बनना चाहिए और मतदान करना चाहिए। इसके अलावा जो राजनेता या प्रार्थी आपके समाज के हितों के बारे में सोचे, उसका समर्थन करना चाहिए। आपने कहा कि राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने हेतु सम्मेलन के मुख पत्र समाज विकास में कम से कम एक पृष्ठ की सामग्री राजस्थानी भाषा में देने का प्रयास किया जायेगा।

निवर्तमान अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा ने कहा कि राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **सीखो राजस्थानी** नामक पुस्तक का प्रकाशन कराया गया है। इसको अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाना है। जब-जब जरूरत पड़ेगी एस.आर.रुँगटा ग्रुप इसका प्रकाशन कराता रहेगा। आपने कहा कि एकल सदस्यता हमें 1 अप्रैल 2011 से लागू कर देनी चाहिए। समाज सुधार हेतु मारवाड़ी युवा मंच एवं महिला सम्मेलन को जोड़ने पर जोर देते हुए आपने कहा कि पहले हमें तीनों

# Experience Security

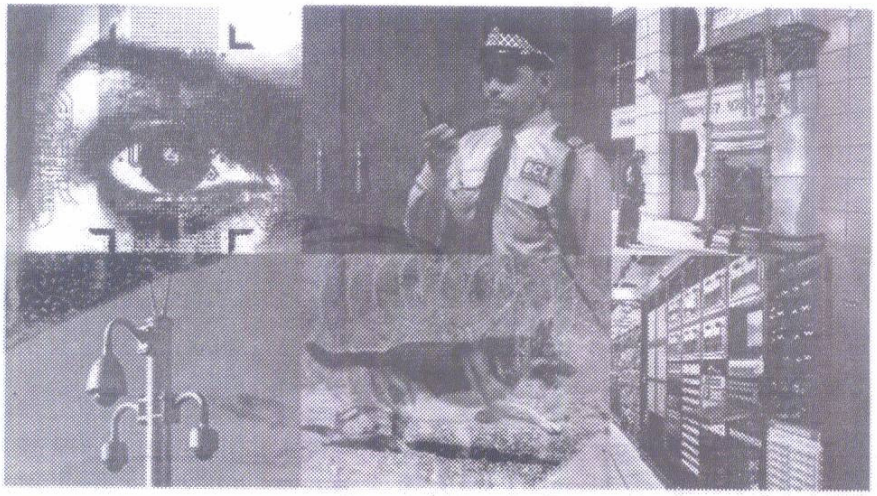

**BCL Secure Premises Pvt. Ltd. (BCL SP)** is a leading Integrated Security Solutions provider that maintains a Pan India presence. Aimed at providing world class security solutions to its clients, BCL SP is an **ISO 9001:2000** certified organisation with a constant endeavour to upgrade the quality of its resources and infrastructure. Our scope of work includes:

- Guarding Solutions including a range of specialisations such as Hotel Guards, Mall Guards, Hospital Security, PSOs etc
- Electronic Security Services
- Facility Management Services
- Blast Effect Protection and Mitigation
- Maritime Security Services
- Investigations
- Canine (K9) Services
- X-Ray Systems
- Intelligent Evacuation Systems
- Fire Prevention / Protection
- ESCAPE Rescue Systems for high rise buildings
- Training
- Consultancy Services

BCL SP has on board security specialists who have headed premier security agencies in Government (MHA) and armed forces of the nation. At BCL SP, it is our endeavour to understand the unique security needs of each client, and to fulfill these utilising the latest technology and expertise. We are emerging as one of the most competitive service providers in physical and technical security.

BCL SP can take up projects on a turn key basis right from conception to final execution. We also provide solutions on **Lease Basis**.

Global Strategic Partners and Alliances

DiagNose · EMESCO · ESCAPE · KCA · VERINT

bclsecurepremises

ISO 9001:2000 Certified

*Please feel free to contact us at*

222, Mall Road
Flower Valley, Vasant Kunj
New Delhi - 110070

Ph: +91 11 261 23514
Fax: +91 11 26123816
Toll Free: 1800 118 383

Or email us at: info@securepremises.com

**www.securepremises.com**

© Copyright BCL Secure Premises Pvt. Ltd. 2010

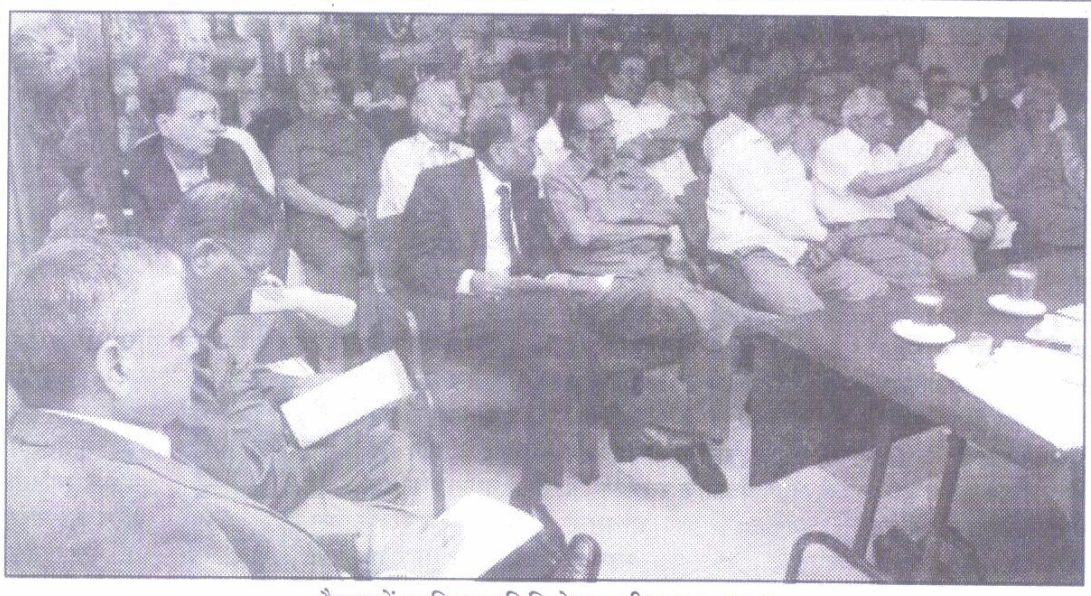

बैठक में उपस्थित समिति के माननीय सदस्यगण।

संस्थाओं के कम से कम 5-5 पदाधिकारियों की एक बैठक करनी चाहिए। इसके पश्चात् दो दिनों की एक बैठक हो, जिसमें तीनों संस्थाओं के राष्ट्रीय तथा प्रांतीय पदाधिकारी सहित 100-150 लोग उपस्थित होकर इस पर विचार करें और संयुक्त रूप से समाज-सुधार की दिशा में कार्य करें।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत करने हेतु सोचने की जरूरत है। हमें प्रांतों को सक्रिय करना होगा। प्रान्तों में नियमित कार्यक्रम होने चाहिए।

आपने पहले से सम्मेलन द्वारा लागू की गई वैवाहिक आचार संहिता को नये सिरे से सदस्यों के समक्ष रखा जिसे कुछ संशोधन के साथ सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस आचार संहिता के अनुसार, समाज में मिलनी 4 रुपया ही होनी चाहिए, विवाह समारोह में अधिकतम 25 व्यंजन हों, विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव कम उपस्थिति हो, नेग का कार्यक्रम एक हो, सगाई, विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष वहन करे, बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग बन्द हो, रात्रि की बजाय दिन में विवाह को प्राथमिकता दिये जाने का निर्णय लिया गया। श्री शर्मा ने कहा कि हम आत्मचिंतन, आत्म मनन् एवं मन परिवर्तन के माध्यम से समाज से इस आचार संहिता को लागू करने की अपील करते हैं। शादी के कार्ड पर किये जा रहे अनर्गल खर्च को तुरन्त बंद करने का आह्वान करते हुए आपने कहा कि इसका संकेतात्मक ही सही, लेकिन कड़े शब्दों में विरोध होना चाहिए। इस सम्बन्ध में आपने कहा कि हमारे समाज में बिरला दम्पति आदरणीय श्री बसन्तबाबू बिरला और डॉ. श्रीमती सरलाजी बिरला का काफी सम्मान है। बिरला परिवार ने हमेशा शादी-विवाह के समारोहों में सादगी बरती है। हम बिरला दम्पति से समाज हित में आडम्बर, दिखावा व फिजूलखर्ची को रोकने हेतु एक अपील जारी करने का निवेदन करेंगे। और इस अपील को प्रत्येक मारवाड़ी परिवार तक पहुंचाने की चेष्टा करेंगे। आपने कहा कि हमारा काम समाज में चेतना जगाने का है जो कि हम जारी रखेंगे। इसके अलावा आपने समाज के लोगों से अपील की कि वे शादी-विवाह के मौके पर कुछ धन समाज सेवा हेतु अवश्य दें।

श्री जुगल किशोर जैथलिया ने महिलाओं को सम्मेलन से जोड़ने पर बल देते हुए कहा कि उन्हें विभिन्न कमेटियों में रखा जाये।

बैठक में संविधान की धारा 10 के अन्तर्गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं अन्य समितियों के गठन तथा निष्क्रिय प्रांतों के पुर्नगठन का भार सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया गया।

बैठक में संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, पूर्व महामंत्री श्री भानीराम सुरेका, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री विजय गुजरवासिया, सर्वश्री राजेन्द्र खण्डेलवाल, नन्दलाल सिंहानिया, राम गोपाल बागला, नन्द किशोर अग्रवाल, बसन्त मित्तल, श्यामलाल डोकानिया, बी.के माहेश्वरी, रामनिवास चोटिया, ओम लढ़िया, रामप्रसाद भालोटिया, जयगोविन्द इन्दौरिया, ओम प्रकाश अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार रखे।.संयुक्त महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने सम्मेलन की वित्तीय स्थिति की जानकारी दी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार ने धन्यवाद दिया।

# कुछ लोग कहते हैं जिन्दा रहे, तो फिर मिलेंगे
# हम कहते हैं मिलते रहेंगे, तो जिन्दा रहेंगे

## होली पर हंसो

श्री नन्दकिशोर जालान
श्री सीताराम शर्मा
श्री नन्दलाल रुँगटा
श्री मोहनलाल तुलस्यान
श्री हरिशंकर सिंहानिया
श्री हनुमान प्रसाद सरावगी
श्री रतन शाह
श्री भानीराम सुरेका
श्री हरि प्रसाद कानोड़िया
श्री संतोष सराफ
श्री ओम प्रकाश खण्डेलवाल
श्री बद्री प्रसाद भीमसरिया
श्री संतोष अग्रवाल, रायपुर
श्री राम कुमार गोयल
श्री राज के पुरोहित
श्री ओंकार मल अग्रवाल
श्री बालकिशन गोयनका
श्री गणेश प्रसाद कन्दोई
श्री राम अवतार पोद्दार
श्री आत्माराम सोंथलिया
श्री संजय हरलालका
श्री कैलाशपति तोदी
श्री सतीश देवड़ा
श्री ओम प्रकाश पोद्दार
श्री संतोष जैन
श्री शंभु चौधरी
श्री धर्मचन्द अग्रवाल
श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल
श्री नवल जोशी
श्री प्रदीप ढेढीया
श्री सुभाष मुरारका
श्री रामदयाल मस्करा
श्री मौजीराम जैन
श्री रामपाल अग्रवाल 'नूतन'
श्री हरिकृष्ण चौधरी
श्री साधुराम बंसल
श्री इन्द्रचन्द्र संचेती

प्रेरणा स्त्रोत
स्तम्भ
शानदार पारी
पुरानी यादें
कोहिनूर
पुत्र प्रेम
राजस्थानी व्याकरण
वैवाहिक स्वर्ण जयंती
अध्यक्षजी
महामंत्री
पत्नी धर्म
मित्र भाव
मन नहीं लगता
मुझे कुछ नहीं कहना
अमेरिका चलो
साथ-साथ
दानवीर
कटक से फुर्सत नहीं
पदोन्नति
बजट
कलम का सिपाही
नयी जिम्मेवारी
दिल्ली की दौड़
मैं हूँ ना
मोह छूटता नहीं
कभी खुशी कभी गम
उमा की जय
गर्वनर
सबकी खबर
इवेन्ट मैनेजर
धमाका
भला मानुस
शरीर साथ नहीं देता
किंग मेकर
सरस्वती वंदना
दानवीर कर्ण
ओल्ड इज गोल्ड

श्री हरि प्रसाद बुधिया
श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल
श्री श्रवण तोदी
श्री द्वारका प्रसाद डाबड़ीवाल
श्री राजेन्द्र बच्छावत
श्री श्रीकृष्ण खेतान
श्री जे.के. जैन
श्री नथमल केडिया
श्री कुंज बिहारी अग्रवाल
श्री श्याम सुन्दर बगड़िया
श्री गिरधारी लाल जगतरामका
श्री रामनिवास चोटिया
श्री नारायण जैन
श्री सावरमल भीमसरिया
श्री बाबूलाल धनानिया
श्री बालकृष्ण माहेश्वरी
श्री रमेश चन्द्र गोपीकिशन बंग
श्री ललित सकलचन्द्र गांधी
श्री विजय कुमार मंगलुनिया
श्री रविन्द्र कुमार लडिया
श्री कैलाश मल दूगड़
श्री विजय कुमार गोयल
श्री सुरेन्द्र कुमार डालमिया
श्री सोम प्रकाश गोयनका
श्री विजय गुजरवासिया
श्री पन्ना लाल वैद (दिल्ली)
श्री पवन कुमार गोयनका (दिल्ली)
श्री कमल नोपानी (बिहार)
श्री राजेश सिकरिया (बिहार)
श्री सुरेन्द्र लाठ (उड़ीसा)
श्री विजय केडिया (उड़ीसा)
श्री विनय सरावगी (झारखण्ड)
श्री डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका
श्री रामगोपाल बागला
श्री नारायण प्रसाद माधोगढ़िया
श्री डॉ. जयप्रकाश मूंधड़ा (महाराष्ट्र)
श्री चिरंजीलाल अग्रवाल

जीना कोई इनसे सीखे
सर्व प्रिय
लाल ही लाल
अच्छा सोचो अच्छा करो
कुबेरजी
मन्द-मन्द मुस्कान
न तीन में न तेरह में
श्रेष्ठ साहित्य
पेरिस बाई नाईट
बैक टू वर्क
जय सियाराम
तन-मन-धन
राजस्थान-बंगाल मित्रता
अपनी मस्ती, अपने गीत
समाज सेवा
रिटायरमेंट
उपाध्यक्ष

युवा दौड़
जिम्मेवारी
नया ठिकाना
कुछ करना है
चैन्नई से हैदराबाद तक
भूल-बिसरी
पान-मसाला
जीवन की भाग-दौड़
अबकी बारी
कहां गये वो दिन
सफल नेतृत्व
कार्यकर्ता
जय जयकार
शाखा बढ़ाओ
कुछ करना है
संविधान के पुजारी
मेरी सुनो
पितामह
प्रांतीय डोर
ओल्ड एज होम

| | |
|---|---|
| श्री सज्जन भजनका | चमकता सितारा |
| श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल | जोड़-तोड़ |
| श्री मामराज अग्रवाल | पद्म श्री |
| श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल | सफेद धोती-कुर्ता |
| श्री विशम्भर दयाल सुरेका | आदरणीय |
| श्री बासुदेव प्रसाद बुधिया | मैं साथ हूँ |
| श्री विश्वनाथ मारोठिया | सम्मेलननाइट |
| श्री जुगल किशोर जैथलिया | राजनैतिक चेतना |
| श्री गीतेश शर्मा | कोई पूछता नहीं |
| श्री रघु मोदी | दुनिया की सैर |
| श्री बी.के. पोद्दार | बेटा बाप से भी गोरा |
| श्री बालकृष्ण डालमिया | नीली आंखें |
| श्री बालकृष्ण डालमिया | चुनाव का मैदान |
| श्री सुबीर पोद्दार | इधर-उधर |
| श्री महेश कुमार सहारिया | चाईना एक्सपर्ट |
| श्री पी.के. लीला | जमा खर्च |
| श्री पवन जैन | ब्रम्बई दूर है |
| श्री महावीर प्रसाद नारसरिया | पुराना घी |
| श्री राजेश खेतान | कहाँ गये वो दिन |
| श्री कमल गांधी | पाला-बदल |
| श्री हर्ष नेवटिया | मुस्कराता चेहरा |
| श्री हरिमोहन बांगड़ | दुनिया मेरी मुट्ठी में |
| श्री प्रेमचन्द सुरेलिया | मैं तैयार हूँ |
| श्री पुष्कर लाल केडिया | नैतिक मूल्य |
| श्री अजय रुंगटा | विशेषज्ञ |
| श्री अजय मारू | अगला कदम |
| श्री जे.पी. चौधरी | पेरिस की आफीस |
| श्री संजय बुधिया | सबका लाडला |
| श्री राधेश्याम गोयनका | राम-राम जी |
| श्री रवि पोद्दार | बुलन्दी |
| श्री महेन्द्र जालान | मारवाड़ी ताकत |
| श्री एन.जी. खेतान | एडजर्नमेंट |
| श्री रामनाथ झुनझुनवाला | स्कूली यादे |
| श्री सुनील कुमार डागा | बिड़ला पार्क |
| श्री श्यामलाल डोकानिया | धर्मार्थ |
| श्री विश्वनाथ सिंघानिया | गीत गाता चल |
| श्री कृष्ण कुमार डोकानिया | बिहार की याद |
| श्री दिनेश बजाज | अबकी बार मंत्री |
| श्री दिलीप कु.मनसुखलाल गांधी | संसद में |
| श्री नथमल टिबड़ेवाल | कहां खो गये |
| श्री बिनोद तोदी | मेरी बात सुनो |
| श्री बनवारी लाल सोती | भई चन्दा वन्दा देना है क्या ? |
| श्री मुकुन्द राठी | बिड़ला दम्पति अभ्यर्थना |

| | |
|---|---|
| श्री गोविन्द राम ढ़ाणेवाल | रोगियों की सेवा |
| श्री देवेन्द्र दूग्गड़ | दोनों हाथ में लड्डू |
| श्री विश्वनाथ भुवालका | कर्मशील |
| श्री ओम लड़िया | मेरा लिखा पढ़ो |
| श्री जयगोविन्द इन्दौरिया | एक जगह मन नहीं लगता |
| श्री जुगल किशोर सराफ | प्रेसीडेन्ट |
| श्री कैलाश प्र. झुनझुनवाला (पटना) | रिजर्व बैंक |
| श्री नन्दलाल सिंघानिया | माई लार्ड |
| श्री चम्पालाल सरावगी | साहजी |
| श्री गोपी धुवालिया | क्या करना है |
| श्री विश्वनाथ सराफ | एवरेडी |
| श्री गोविन्द प्रसाद डालमिया (देवघर) | पुराना घी |
| श्री मुकुन्द दास माहेश्वरी (जबलपुर) | सीनियर |
| श्री नरेश चन्द्र विजयवर्गीय (हैदराबाद) | कहाँ खो गये |
| श्री कमल नोपानी (पटना) | बढ़ते कदम |
| श्री रमेश कुमार गर्ग (जबलपुर) | राजनेता |
| श्री रमेश कुमार बंग (हैदराबाद) | उत्तराधिकारी की खोज |
| श्री संतोष कुमार हरलालका | विदेश यात्रा |
| श्री नन्द किशोर अग्रवाल | अस्पताल का चक्कर |
| श्री राजकुमार बोथरा | समाज सेवा मेरा धर्म |
| श्री दिलीप गोयनका | दोस्त का दोस्त |
| श्री बिमल कुमार चौधरी | हमकदम |
| श्री बिनोद सराफ | कर्मठ कार्यकर्ता |
| श्री मनमोहन गाड़ोदिया | चतुर सुजान |
| श्री मनोज अग्रवाल | उत्साही |
| श्री केशरी कान्त शर्मा (राजस्थान) | राजस्थानी भाषा |
| श्री ताऊ शेखावाटी (राजस्थान) | राम राम जी |
| श्री नीलमणि राठी | मेरी धुन पर नाचे दुनिया |
| श्री विरेन्द्र प्रसाद धोका (महाराष्ट्र) | साझा-सरकार |
| श्री मुकुन्द रुँगटा | सांस्कृतिक सम्राट |
| श्री अतुल चूड़ीवाल | मुझे कुछ नहीं कहना |
| श्री विश्वनाथ केडिया | गाँधीवादी |
| श्री पी.डी. तुलस्यान | दिल दिया दर्द लिया |
| श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल | सबसे पुराना चैम्बर |
| श्री रवीन्द्र चमड़िया | अक्षय पात्र |

**महिलाएं**

| | |
|---|---|
| श्रीमती विमला डोकानिया | दुल्हा-दुल्हन मेल |
| श्रीमती पुष्पा चोपड़ा | महिला आन्दोलन |
| श्रीमती सुशीला चनानी | कुछ सुनाईये |
| श्रीमती सरला माहेश्वरी | घर की कलह |
| श्रीमती मीना देवी पुरोहित | चुनाव के मैदान में |
| श्रीमती सुनीता झंवर | सबकी सुनो |
| सुश्री श्वेता इन्दौरिया | दबंग |

*With Best Compliments From :-*

# M/s ROAD CARGO MOVERS (P) LTD.

**1, GIBSON LANE, 2ND FLOOR, SUIT NO :- 211**
**KOLKATA -700 069**

*Tele No. : 2210-3480, 2210-3485*
*Fax No. : 2231-9221*
*e-mail : roadcargo@vsnl.net*

**BRANCHES & ASSOCIATES AT**

*DURGAPUR, HALDIA, CHENNAI, HYDERABAD, BANGALORE, ICHAPURAM, BHIVANDI, COCHI, MUMBAI, VIJAYWADA, COIMBATORE, GAZIABAD, PONDICHERRY, VISAKHAPATNAM*

परिचय

# समाज रत्न बसंतलाल मुरारका

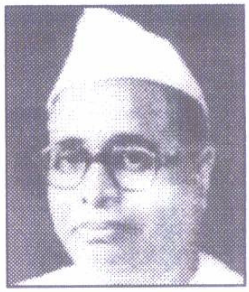

-पूनम चन्द रतेरिया

( गतांक से आगे )

**आभूषणों का बहिष्कार :** बसंतलालजी ने आभूषणों का बहिष्कार कर अपनी पत्नी को सादगी के साथ शुद्ध खादी की वेशभूषा में रहने की प्रेरणा दी। उनकी आभूषणों में सुन्दरता का कोई लक्षण दिखलायी ही न पड़ता था।

उनकी माता जी का विश्वास था कि आभूषण सुहाग के चिन्ह हैं, उनको छोड़ना ठीक नहीं। परंतु अपने पति की सतत् प्रेरणा के चलते उनकी पत्नी ने सारे आभूषण उतार डाले और फिर उनका धारण करना ही छूट गया।

सन् 1923 में एक साप्ताहिक पत्र नवयुवक मारवाड़ी के नाम से उन्होंने निकाला जिसमें चार-पाँच व्यक्तियों के लेख या विचार रहते थे तथा समाज की खामियों की आलोचना-प्रत्यालोचना रहती थी। उन आलोचनाओं से समाज में तहलका मच जाता था।

**अंतर्जातीय विवाह :** अपने ज्येष्ठ पुत्र श्री भागीरथ का विवाह उन्होंने माहेश्वरी जाति की कन्या से किया। इस विवाह में माहेश्वरी तथा अग्रवाल समाज के प्रतिष्ठित परिवार तो सम्मिलित हुए ही, अन्य समाजों के भी अनेक प्रसिद्ध सज्जन आये। इस दृष्टि से भी यह विवाह एक विशेषता रखता था। जिस सादगी के साथ यह विवाह सम्पन्न हुआ वह समाज के लिये एक नयी-सी चीज थी। इसे देखने के लिये भी लोग एकत्र हुए थे। इसका समाज पर अच्छा प्रभाव पड़ा। कुटुम्ब में भी इसका प्रभाव बहुत अच्छा पड़ा। इस विवाह में पर्दा-प्रथा का पूर्ण बहिष्कार किया गया।

**दहेज प्रथा :** उनकी यह प्रतिज्ञा थी कि जिस विवाह में दहेज का लेन-देन होगा उसमें वे सम्मिलित नहीं होंगे। अपने सबसे बड़े लड़के के विवाह में उन्होंने दहेज के नाम पर एक पैसा भी नहीं लिया। विवाह में वे और सुधार करना चाहते थे, अत: जब लड़के के ससुराल से गिन्नियां, कपड़े, फल मिठाइयां आदि आई तो उन्होंने सब कुछ लौटा दिया, केवल नेग का एक रुपया रख लिया और कहला भेजा कि हम विवाह बिना लेन-देन के ही करेंगे। अपनी लड़की के विवाह में भी उन्होंने दहेज नहीं दिया।

लड़के का विवाह बड़ी सादगी के साथ, बिना आडम्बर के तीन-चार घण्टे के भीतर सम्पन्न किया गया। उस समय देश में अन्न का अभाव था, राशन की प्रथा थी, इसलिए उन्होंने प्रीतिभोज का प्रस्ताव भी स्वीकार नहीं किया। सूखे मेवे और चाय आदि से स्वागत कराकर बारात विदा कराकर ले आई गयी।

**देश सेवा :** देश को स्वतंत्र कराने के दिशा में भी इनका बड़ा योगदान रहा। सन् 1916 में जब उनका विवाह हुआ तब वे दिन पंजाब हत्याकाण्ड और जलियांवाला बाग के दिन थे। समस्त देश में भयंकर क्षोभ था। उन्हीं दिनों साइमन कमीशन का बहिष्कार आदि के कुछ विरोध प्रदर्शन भी हुए थे और कांग्रेस की रीति-नीति में अधिक उग्रता आयी थी।

उस समय देश में एक भयंकर उथल-पुथल-सी मची हुई थी। राष्ट्र जागरण का वह प्रथम प्रहर था। सर्वत्तोमुखी उन्नति की ओर देशवासियों का ध्यान गया हुआ था। राजनीति में अजीब हलचल मची हुई थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये प्रबल प्रयत्न हो रहे थे और ऐसा मालूम हो रहा था जैसे समाज एक गहरी नींद से जागा है और अंगड़ाई ले रहा है।

अंग्रेजी शासक इस स्थिति को सहन करनेवाले नहीं थे। उन्होंने भी बड़ी कड़ी-नीति अख्तियार कर रखी थी। इसी राजनीतिक तनाव में, कलकत्ते में गोली चल गयी, मशीनगनें चलीं और इतनी भयंकर सनसनी फैल गयी कि चारों और हा-हा-कार मच गया। परंतु बसंतलाल जी तो अपनी सेवा की धुन में लगे रहते थे। उन्हें इन बातों की परवाह ही नहीं थी। इन्हीं आन्दोलनों में उन्होंने खद्दर धारण का व्रत लिया। खद्दर देश की शान है, गहना समाज का कलंक है, इसे हटाना ही चाहिये - ऐसा बसंतलाल जी अपनी पत्नी से कहा करते थे।

रौलट कानून के विरोध में महात्मा गांधी ने सत्याग्रह करने का निश्चय किया और 6 अप्रैल 1919 को महात्मा गांधी के आवाहन पर देशव्यापी हड़ताल करने का निश्चय लिया गया। श्री बसंत लालजी ने सब नेताओं के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर अपने सहकर्मियों के साथ ऐसा काम किया जिसकी प्रशंसा सभी लोगों ने की।

इसी संबंध में पंजाब में जो काण्ड हुआ, उसमें क्रूर अंग्रेज अधिकारियों ने जलियांवाला बाग में होने वाली सार्वजनिक सभा में उपस्थित लोगों पर गोलियाँ चला दीं। उनमें लड़के, जवान, बूढ़े स्त्री-पुरुष सभी हताहत हुए। इसके कारण सारे देश में और भी भयंकर उत्तेजना फैली।

कलकत्ता के नवयुवकों को दबाने के लिए भी पशु-बल का प्रयोग किया गया। उन पर लाठी चार्ज हुआ, वे जेल भेजे गये और उन पर मशीनगनें तक चलायी गयीं। जब सीधी कार्यवाही में सरकार सफल न हुई तब उसने व्यापार-व्यवसाय में बाधा उपस्थित करके उन्हें परेशान करने की युक्ति अपनायी। मगर सब कोशिशें बेकार गयीं। नवयुवकों ने मार्ग कभी नहीं छोड़ा। इस नवयुवक मंडली में बसंतलाल जी भी थे। **( क्रमश: )**

# सम्मेलन के नये आजीवन सदस्यों का स्वागत

**नाम : श्री कृष्ण कुमार बुधिया**
कार्यालय का पता :
पैटन इन्टरनेशनल लिमिटेड
3सी, कैमक स्ट्रीट
कोलकाता-700 016
मोबाईल नं.- 098304 71300

**नाम : डॉ. केबीएल माथुर**
कार्यालय का पता :
हाउस नं. 9, रोड नं. 46ए
वेस्ट पंजाबी बाग
नई दिल्ली-110026
मोबाईल नं.- 098100 11190

**नाम : श्री मोहन लाल बजाज**
कार्यालय का पता :
34, सी.आर. एवेन्यू
दो तल्ला, कमरा नं. 11
कोलकाता-700012
मोबाईल नं.- 098304 05959

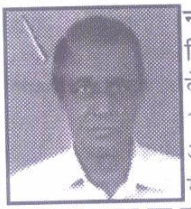

**नाम : श्री बिजय कुमार लोहिया**
निवास का पता :
वेदान्त कुटीर
173, 21, एसटी मेन रोड
अन्नानगर, चैन्नई-600040
मोबाईल नं.- 098400 24781

**नाम : श्री नेमीचन्द जैन**
निवास का पता :
पी103, कालिन्दी वाटिका
कालिन्दी हाउसिंग इस्टेट,
ब्लाक-ए, फ्लैट नं. 5एबी,
कोलकाता-700089
मोबाईल नं.- 093300 27459

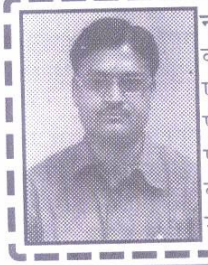

**नाम : श्री राजेश कुमार पोद्दार**
कार्यालय का पता :
एस.डी. इन्टप्राईजेज
पी-8, न्यू सी आई टी रोड
पहला तल्ला,
कोलकाता-700073
मोबाईल नं.- 094330 95342

# सम्मेलन के नये विशिष्ट सदस्यों का स्वागत

**नाम : श्री शिव नाथ अग्रवाल**
कार्यालय का पता :
हिन्दुस्थान नेशनल ग्लास एण्ड इण्डस्ट्रीज लि.
2, रेड क्रॉस रोड
कोलकाता-700 001
मोबाईल नं.- 093484 14001

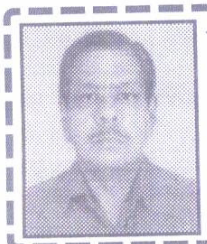

**नाम : श्री प्रमोद कुमार सराफ**
कार्यालय का पता :
जे.जे. इलेक्ट्रिकल कॉरपोरेशन
22, रविन्द्र सरणी, शॉप नं. 222
कोलकाता-700073
मोबाईल नं.- 099037 39870

## प्रपत्र - 4

समाचार पत्र पंजीयन केन्द्रीय कानून १४४६ (संशोधित) के आठवें नियम के साथ पढ़ी जाने वाली प्रेस तथा पुस्तक कानून की धारा १४डी उपधारा (बी) के अन्तर्गत समाज विकास (मासिक) कोलकाता नामक समाचार पत्र से सम्बन्धित तथा स्वामित्व एवं अन्य बातों का ब्यौरा :-

| | | |
|---|---|---|
| प्रकाशन का स्थान | : | १५२बी, महात्मा गांधी रोड<br>कोलकाता-७००००७ |
| प्रकाशन की अवधि | : | मासिक |
| प्रकाशन का स्थान | : | श्री भानीराम सुरेका |
| राष्ट्रीयता | : | भारतीय |
| पता | : | ८, कैमक स्ट्रीट, कोलकाता-९ |
| सम्पादक का नाम | : | श्री नन्दकिशोर जालान |
| राष्ट्रीयता | : | भारतीय |
| पता | : | २६, अमहर्स्ट स्ट्रीट, कोलकाता-६ |
| मालिक | : | अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन<br>१५२बी, महात्मा गांधी रोड<br>कोलकाता-७००००७ |

मैं भानीराम सुरेका घोषित करता हूँ कि मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार उपर दिये गये विवरण सही हैं।

२८-०२-२०११ भानीराम सुरेका
प्रकाशक का हस्ताक्षर

# IISD

*A Gateway to Careers*

SREI Foundation

*"Educate Morally & Technically"*
— Swami Vivekananda

## Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

**3 Yrs. BBA** ₹ 75,000

**3 Yrs. BCA** ₹ 75,000

**2 Yrs. MBA + PGPM** ₹ 85,000

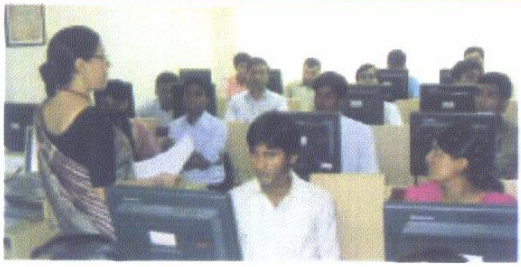

Achieve your Aspiration ...
... be a **Corporate Leader !**

**Master of Business Administration (MBA)**
- 2 Year Post-Graduate Course

**Bachelor of Business Administration (BBA)**
- 3 Year Graduate Course

**Bachelor of Computer Application (BCA)**
- 3 Year Graduate Course

**Complimentary Courses**
- Company Secretaryship
- Foreign Languages
- Business English Certificate from British Council
- ERP Training (Microsoft Certified )
- Administrative Services

### Preparatory Courses :

- Entrance Examination of MD, MS, MRCP (MEDICINE) Part I and DNB Part I
- UPSC Exam for IAS, IPS, IRS, IFS (Preliminary & Main)
- Company Secretaryship Exams in collaboration with The Institute of Company Secretaries of India (ICSI).
- NDA/CDS - Exam & SSB Interview

### ELIGIBILITY & SELECTION

**FOR MBA**
- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW
- ★ APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

**FOR BBA & BCA**
- 10 + 2 PASSED FROM ANY HIGHER SECONDARY BOARD/COUNCIL

***Assistance for placement***

Eminent Faculty
Regular / Weekend Classes
AC Classrooms/Hostel

**Degree approved by UGC–AICTE–DEC, Ministry of HRD, Govt. of India**

## INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in • Website : www.iisdedu.in

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2010-2012
Date Of Publication - 28, February, 2011
RNI Regd. No. 2868/68

S R RUNGTA GROUP

*Caring for Land and People...*

# RUNGTA MINES LIMITED

*Mine Owners, Ferro Alloy Producer & Mineral Processors*

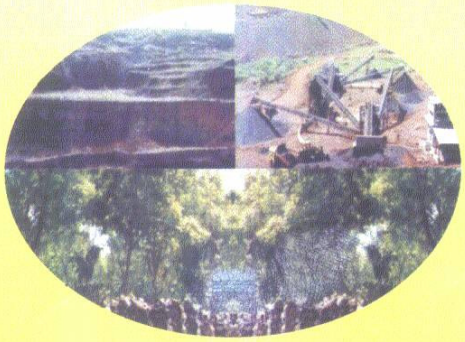

- ***IRON ORE*** *- BF & SPONGE GRADE, BLUE DUST, CRUSHED FINES*
- ***MANGANESE ORE*** *- BF & FERRO MANGANESE GRADE, DIOXIDE, FINES*
- ***LIMESTONE, BAUXITE, QUARTZ, PYROPHYLLITE***
- ***SPONGE IRON*** *LUMPS & FINES*

**CORPORATE OFFICE**
*RUNGTA HOUSE, CHAIBASA 833 201, JHARKHAND, INDIA*
Phone: 06582-256861/ 256761/ 256661; Fax: 91- 6582 256442
Email: rungtas@satyam.net.in, Web Site: www.rungtamines.com, GRAM: "RUNGTA"

**REGISTERED OFFICE**
8A, EXPRESS TOWER, 42A, SHAKESPEARE SARANI
KOLKATA 700017, INDIA
Phone: 033-2281 6580/3751; Fax: 91-33-2281 5380; Email: rungta_cal@sify.com

**MINES DIVISION**
**RUNGTA OFFICE**
MAIN ROAD, BARBIL 758035, DIST- KEONJHAR, ORISSA, INDIA
Phone: 06767- 275221/277481/ 441; Fax: 91-6767-276161
Email: rungta_bbl@yahoo.co.in, GRAM: "RUNGTA"

**SPONGE IRON DIVISION**

**ORISSA**
**RUNGTA OFFICE**
MAIN ROAD, BARBIL 758035
DIST- KEONJHAR, ORISSA, INDIA
Phone: 06767- 27689/277391/021
Fax: 91-6767-277011

**JHARKHAND**
**RUNGTA OFFICE**
SADAR BAZAR, CHAIBASA - 833201
DIST- SINGHBHUM(W), JHARKHAND, INDIA
Phone: 06582-256621/256321
Fax: 91-6582-257521

From :
All India Marwari Federation
152B, Mahatma Gandhi Road
Kolkata - 700 007
Ph. : 2268 0319
E-mail : samajvikas@gmail.com